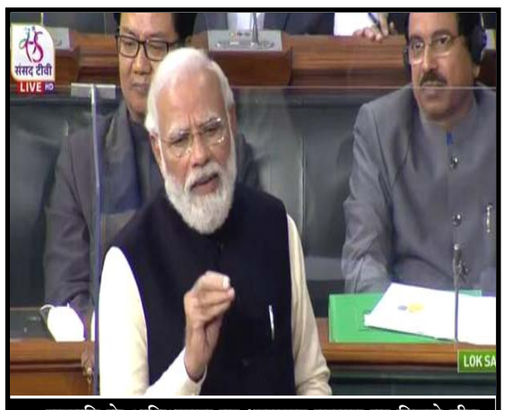

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर पिछले तीन दिनों से चल रही चर्चा का जवाब देते हुए सोमवार को प्रधानमंत्री पूरी रौ में थे। अंदाज हास-परिहास से भरा था लेकिन शब्द चुटीले... जानें पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कैसे साधे सियासी तीर।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 57 दिनांक: 08-02-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारत रत्न लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार रविवार को ही शाम को शिवाजी पार्क में राजकीय सम्मान के साथ कर दिया गया था जहां पीएम मोदी समेत कई गणमान्य नागरिकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर किया हमला बोले पवित्र देवभूमि में घोल रहे ज़हर गंगा को घोषित किया था नहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड विधानसभा चुनावों के लिए सोमवार को 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। संबोधन के दौरान मोदी ने दिवंगत सीडीएस बिपिन रावत को नमन किया और बीजेपी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। प्रधानमंत्री ने कहा, ठमैं आपको भरोसा देता हूं कि पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बीजेपी आपको तेज विकास करने वाली सरकार देगी। 14 फरवरी को जब आप वोट देने जाएं, तो उत्तराखंड के अतीत और भविष्य के विषय में जरूर सोचकर जाएं। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा, ठएक ओर भारतीय जनता पार्टी है, जिसने सरकार में आने के तुरंत बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य बनाया, जबकि दूसरी ओर वो लोग हैं, जिन्होंने उत्तराखंड के निर्माण को रोकने के लिए हर संभव षडयंत्र किया, जितने हो सकते थे रोड़े अटकाए। जो लोग उत्तराखंड को राज्य के रूप में देखना ही नहीं चाहते थे, वो उत्तराखंड का विकास होते देखना चाहेंगे क्या? जो लोग उत्तराखंड के सपनों को इसलिए मारना चाहते थे ताकि उनकी विरासत चलती रहे, वे अब आपके संसाधनों की लूट बंद कर देंगे क्या? वो लोग कभी नहीं सुधरेंगे।' पीएम ने कहा, ठकुछ लोग ऐसे होते हैं, जो खुद तो कुछ अच्छा नहीं करना चाहते और कोई दूसरा अच्छा काम कर दे, तो उनके पेट में दर्द होने लगता है। उत्तराखंड को लेकर कांग्रेस पार्टी का यही रवैया रहा है। इनकी इच्छा के खिलाफ उत्तराखंड बन गया, तो ये आज तक उससे अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। इन्होंने उत्तराखंड को पीछे धकेलने के लिए देश की सुरक्षा तक को ताक पर रखने में संकोच नहीं किया। ये राज्य हमारा बॉर्डर स्टेट है, यहां के गांव दूसरे देश की सीमा से जुड़े हुए हैं, इसलिए यहां का विकास, यहां के लोगों के जीवन के लिए ही नहीं बल्कि देश की रक्षा के लिए भी जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा को लेकर भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ठहम सत्ता में आए तो हमने मां गंगा के लिए नामामि गंगे अभियान शुरू किया। आज मां गंगा निर्मल हो रही हैं। लेकिन जब ये सत्ता में थे इन्होंने क्या कृत्य किए थे आपको पता है? इन्होंने हरिद्वार में हर की पौड़ी पर मां गंगा को नहर घोषित कर दिया था। क्या दुनिया में कोई कल्पना कर सकता है? दुनिया की सबसे विख्यात नदियों में से एक गंगा को कोई नहर घोषित कर दे, ताकि खनन और लूट माफिया अपना खेल-खेल सकें। ये लोग पवित्र देवभूमि में जहर घोलने का काम कर रहे हैं।

हिमस्खलन में फंसे सात जवान, तलाशी अभियान जारी

सिक्किम (ईएमएस)। पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के कामेंग सेक्टर एक बड़ा हादसा में आधा दर्जन से ज्यादा जवान फंस गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा कि फंसे हुए लोगों का पता लगाने के लिए तलाश और बचाव कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि सैन्यकर्मी एक गश्ती दल में शामिल थे और वे रविवार को आए हिमस्खलन में फंस गए। एक सूत्र ने कहा, अभी तलाश और बचाव कार्य जारी है। राहत कार्य में सहायता के लिए विशेषज्ञों के दल को हवाई मार्ग से पहुंचाया गया है। इलाके में पिछले कुछ दिन से मौसम खराब है और भारी बर्फबारी हो रही है।

सर्दियों के महीनों में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में गश्त करना मुश्किल हो जाता है। सेना पहले भी ऐसी घटनाओं में अपने सैनिकों को खो चुकी है। मई 2020 में सिक्किम में हिमस्खलन की चपेट में आने से सेना के दो जवानों की की मौत हो गई थी। पिछले साल अक्टूबर में उत्तराखंड में माउंट त्रिशूल पर हिमस्खलन में नौसेना के पांच जवान फंस गए थे, जहां वे एक अभियान के लिए गए थे। उनके शव बाद में बरामद किए गए। फरवरी 2020 में सरकार ने संसद को बताया कि 2019 में सियाचिन ग्लेशियर में हिमस्खलन और हिमस्खलन के कारण सेना के छह जवानों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य जगहों पर इसी तरह की घटनाओं में 11 अन्य मारे गए थे। सरकार ने बताया था कि ठउच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शामिल सभी सशस्त्र बलों के कर्मियों को पर्वतीय शिल्प, बर्फ शिल्प और पहाड़ों में हिमाच्छादित इलाकों में जीवित रहने और हिमस्खलन जैसी किसी भी घटना से निपटने के लिए पूरी ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही उन्हें इमरजेंसी की स्थिति में खुद को संभालने के लिए भी सिखाया जाता है।

शेयर बाजार धड़ाम , सेंसेक्स 1,023 और निफ्टी 302 अंक गिरा

निवेशकों के सात लाख करोड़ रुपये डूबे

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट आई। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी विदेशी कोष की लगातार निकासी के साथ ही एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, इन्फोसिस और मारुति जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों के टूटने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,023 अंक करीब 1.75 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,621.19 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 302.70 अंक तकरीबन 1.73 फीसदी नीचे आकर 17,213.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक 3.5 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एचडीएफसी, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी और कोटक बैंक के शेयर भी गिरे है। वहीं

दूसरी ओर पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील, एसबीआई और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहे। इनमें 1.88 फीसदी तक की तेजी रही। सेंसेक्स के शेयरों में 25 नुकसान में जबकि पांच फायदे में रहे।

बाजार जानकारों के अनुसार सेंसेक्स में पिछले तीन दिन की गिरावट से निवेशकों को 6.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बीएसई लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू घटकर 263.76 लाख करोड़ रुपये रह गई है जबकि दो फरवरी की यह 270 लाख करोड़ रुपये थी। सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 3.8 फीसदी की गिरावट आई और इसकी कीमत 1466 रुपये रह गई। लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तीन फीसदी से अधिक गिरावट रही। एचडीएफसी, हिंदुस्तान युनिलीवर और कोटक महिंद्रा बैंक में करीब तीन फीसदी गिरावट रही।

दूसरी ओर

टाइटन, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, विप्रो, आईटीसी और नेस्ले इंडिया में भी दो फीसदी से अधिक गिरावट रही। इससे पहले पिछले सत्र में भी सेंसेक्स 143.20 अंक करीब 0.24 फीसदी की गिरावट लेकर 58,644.82 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 43.90 अंक या 0.25 फीसदी कमजोर होकर 17,516.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं और उन्होंने शुक्रवार को 2,267.86 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। विदेशी कोषों की लगातार निकासी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई है ओर निवेशक आशंकित हैं।

सुर कोकिला लता मंगेशकर को सोमवार को लोकसभा में सदस्यों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुर कोकिला लता मंगेशकर को सोमवार को लोकसभा में सदस्यों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लता मंगेशकर के निधन से संगीत की 'अपूरणीय क्षति' हुई है। उन्होंने लता मंगेशकर का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती पर संसद के केन्द्रीय कक्ष में उनका गाया गीत 'सारे जहां से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा' आज भी हमारे स्मृति पटल पर अंकित है।

लोकसभा अध्यक्ष इन इस अवसर पर सुर साम्रगी लता मंगेशकर को याद करते हुए कहा - 'लता जी को भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और दादा साहेब फाल्के सम्मान से भी सम्मानित किया गया था।' लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि के बाद लोकसभा की कार्यवाही शाम 5 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

ओम बिरला ने इस अवसर पर याद दिलाया कि लता मंगेशकर नवम्बर 1999 से नवम्बर 2005 तक राज्य सभा सदस्य भी रहीं। बिरला ने कहा कि फ्रांस ने भी उन्हें अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया था। बिरला ने कहा - 'लता मंगेशकर सेवाभावी कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहती थीं और उनका 'लता मंगेशकर मेडिकल फाउंडेशन' गरीब रोगियों को निःशुल्क मेडिकल सेवाएं प्रदान करता है।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष कहा कि उनका निधन संगीत, कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है और राष्ट्रीय शोक की इस घड़ी में सदन दिवंगत पुण्यात्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

हमारी अपील है कि ओवैसी जेड सिक्योरिटी लें: अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर यूपी के हापुड़ जिले में हुए हमले को लेकर अमित शाह ने विस्तार से जानकारी दी है। अमित शाह ने कहा कि ओवैसी को खतरे की एक बार फिर से समीक्षा की गई है। उन्हें बुलेटप्रूफ कार और जेड कैटिगरी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। लेकिन उन्होंने इस सिक्योरिटी को लेने से इनकार कर दिया है। हमारी अपील है कि इस सुरक्षा को ले लें। अमित शाह ने कहा, 'ओवैसी को खतरे की पुनर्समीक्षा की गई है। उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी दी गई है और जेड कैटिगरी की सुरक्षा दी गई है। अब तक उन्होंने इस सुरक्षा को स्वीकार नहीं किया है। हमारी अपील है कि वे इसे ले लें। अमित शाह ने कहा कि ओवैसी पर हुए हमले की होम मिनिस्ट्री ने तत्काल राज्य सरकार से रिपोर्ट ली थी। शुरुआती इनपुट्स के मुताबिक उन्हें केंद्र सरकार की ओर से सुरक्षा दी गई थी। लेकिन उनके इनकार के चलते दिल्ली और तेलंगाना पुलिस की ओर से उन्हें सुरक्षा देने का मकसद पूरा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद तत्काल ऐक्शन लिया गया और दो आरोपियों को अरेस्ट किया गया। इन लोगों के पास से दो अवैध पिस्तौल बरामद की गई हैं। एक ऑल्टो कार भी मिली है। फॉरेंसिक टीम की ओर से कार और घटनास्थल की जांच की गई है। सभी सबूतों को कलेक्ट कर लिया गया है।होम मिनिस्टर ने लोकसभा में घटना की जानकारी देते हुए कहा कि हापुड़ में ओवैसी का कोई पहले से तय कार्यक्रम नहीं था। उनकी मूवमेंट के बारे में जिला कंट्रोल रूम को कोई जानकारी नहीं दी गई थी। इस घटना के बाद वह सुरक्षित दिल्ली पहुंच गए। उन्होंने कहा कि दोनों अभियुक्तों से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है और जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में और सामान्य है तथा वहां कड़ी सर्तकता भी बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि घटनाक्रम के संदर्भ में केंद्र सरकार को राज्य सरकार की ओर से एक रिपोर्ट भी प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार शाम ओवैसी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रचार करने के बाद जब दिल्ली लौट रहे थे तभी हापुड़ के छिजारसी टोल के पास उनके काफिले पर हमला हो गया था।

राम रहीम को फरलो मिलने कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (ईएमएस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटटर ने राम रहीम को फरलो मिलने पर कहा कि कुछ चीजें हमारे सिस्टम, हमारे कानून और संविधान के हिसाब से चलती हैं।ये कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है। फरलो किसी भी आम कैदी का अधिकार है। इसका चुनाव से कोई संबंध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों की वजह से 2014 के बाद से बीजेपी का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है।हरियाणा में भी पिछले साढे सात सालों में हमारी सरकार सबके विकास को ध्यान में रखकर काम कर रही है। इससे पहले राम रहीम को अलग-अलग कारणों के चलते पैराल मिली मगर फरलो पहली बार मिली है। वह भी 21 दिन की। राम रहीम को फरलो देने को लेकर कई चीजों से जोड़कर देखा जा रहा है। उधर, राम रहीम को फरलो की खबर सुनकर सिरसा डेरे में भी अनुयायियों का जुड़ना शुरू हो गया है। पंजाब में चुनाव भी हैं,तब राम रहीम के बाहर आने के चलते चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

वित्तमंत्री सीतारमण बोली- परिषद की अगली बैठक में एटीएफ को जीएसटी में लाने पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग मंडल एसोचैम के आयोजन में बोलते हुए केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां कहा कि वह जीएसटी परिषद की अगली बैठक में एविएशन टर्बाइन फ्यूल को जीएसटी के तहत शामिल करने का मुद्दा उठाएंगी। वह बजट के बाद बातचीत के हिस्से के रूप में उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। आयोजन के दौरान नागरिक उड्डयन, यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्रों की ओर से एसोचैम के उपाध्यक्ष और स्पाइसजेट के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कोविड के कारण इन क्षेत्रों के सामने आने वाली कठिनाइयों का जिक्र किया। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा, जीएसटी के तहत एटीएफ को शामिल करने के अलावा, उन्होंने वित्तमंत्री से इन क्षेत्रों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा उधार देने की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे का दर्जा देने पर विचार करने का अनुरोध किया और उन्होंने इस पर विचार करने का वादा किया।

अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में भी प्रचार नहीं करेंगी सोनिया गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपने आधार को मजबूत करने कांग्रेस कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार उत्तर प्रदेश में मजबूती से चुनाव लड़ने की कोशिश में है। कांग्रेस महिला सशक्तिकरण को बड़ा मुद्दा बनाकर चुनावी मैदान में है। कांग्रेस की ओर से भी लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। खुद प्रियंका गांधी कई इलाकों में रोड शो कर चुकी हैं। इन सबके बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा के चौथे चरण के लिए कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची भी आ गई है। लेकिन इस सूची से कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम गायब है। चौथे चरण में ही कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले रायबरेली में चुनाव होने हैं और यहीं से सोनिया गांधी सांसद में हैं।

उत्तर प्रदेश में चौथे चरण के लिए 23 फरवरी को मतदान होने हैं। इस चरण में 60 सीटों पर मतदान होंगे। कांग्रेस ने इसके लिए 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। हालांकि इसमें सोनिया गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का नाम नहीं है। हालांकि अब तक के स्टार प्रचारकों की सूची में दोनों नेताओं का नाम हुआ करता था। लेकिन इस बार उन दोनों का नाम शामिल नहीं है। आश्चर्य इस बात को लेकर भी है कि रायबरेली से सांसद होने के बावजूद भी सोनिया गांधी प्रचार के लिए नहीं आएंगी। आपको बता दें कि सोनिया गांधी स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से फिलहाल प्रचार को लेकर ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अजय कुमार लल्लू, आराधना मिश्रा, गुलाम नबी आजादस, अशोक गहलोत, चरणजीत सिंह चन्नी, भूपेश बघेल जैसे नेताओं का नाम शामिल है। इसके अलावा सलमान खुर्शीद, प्रमोद तिवारी, पीएल पुनिया, राजीव शुक्ला, सचिन पायलट, दीपेंद्र हुड्डा, मोहम्मद अजहरुद्दीन, नसीमुद्दीन सिद्धकी, आचार्य प्रमोद कृष्णम, प्रदीप जैन, जफर अली नकवी को भी स्टार प्रचारकों की सूची में स्थान दिया गया है।

कर्नाटक के सीएम और शिक्षा मंत्री ने हिजाब मामले को तूल न देने की छात्रों से की अपील

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में हिजाब मामले को को लेकर छिड़े घमासान के के बीच छात्र हिजाब और भगवा शॉल पहनकर कॉलेजों में आ रहे हैं, जिसे देखते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने सोमवार को उनसे मामले को तूल नहीं देने और चल रहे विवाद के संबंध में सरकारी आदेशों का पालन करने का आग्रह किया। मीडिया को संबोधित करते हुए, बोम्मई ने कहा कि सभी छात्रों को यूनिफॉर्म के संबंध में जारी राज्य सरकार के आदेश का पालन करना चाहिए। बोम्मई इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को शांति भंग करने का कोई प्रयास नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, ठअदालत का आदेश कल (मंगलवार) आ रहा है। आदेश आने के बाद राज्य सरकार इस मुद्दे पर फैसला लेगी। जैसा कि मामला अदालत के समक्ष है, मैं इसके बारे में बोलना नहीं चाहता।ठ

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में हिजाब विवाद को भड़काने के पीछे सक्रिय ताकतें थीं, जैसा कि पहले केरल और महाराष्ट्र में सामने आया था। इस बीच, नागेश ने मैसूर में संवाददाताओं से कहा: ठछात्रों को कॉलेजों में यूनिफॉर्म पहनकर आना चाहिए। हिजाब और भगवा शॉल पहनने वाले छात्रों को प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।ठयह आपकी इच्छा है कि जब तक आप कॉलेज के प्रवेश द्वार पर नहीं पहुंच जाते तब तक आप अपनी पसंद के कपड़े पहन सकते हैं। गेट के अंदर आने के बाद, आपको यूनिफॉर्म में रहना होगा। राज्य के शिक्षा मंत्री ने उडुपी गवर्नमेंट पीयू कॉलेज में हिजाब पहने और भगवा पहने छात्रों को अलग-अलग कमरों में भेजने के उपाय का बचाव किया, और कहा कि सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यूनिफॉर्म पर नियम बनाएगी। हिजाब पहनकर आए मुस्लिम छात्राओं ने कहा है कि उन्हें राज्य सरकार के आदेश की परवाह नहीं है और वे इस मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। हिंदू छात्र इस बात पर अड़े हैं कि जब तक हिजाब की अनुमति दी जाएगी, वे भगवा शॉल पहनकर आएंगे।

चरणजीत सिंह चन्नी के सीएम फेस घोषित होने के बाद बोले सिद्धू मैं प्रदेश अध्यक्ष बना रहा तो नहीं करने दूंगा यह काम

नई दिल्ली (ईएमएस)। चरणजीत सिंह चन्नी को पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से सीएम फेस घोषित किए जाने के मंच से ही सिद्धू ने भी बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यदि नई सरकार बनने के बाद भी मैंपंजाब कांग्रेसका प्रदेश अध्यक्ष बना रहा तो फिर किसी भी विधायक के बेटे को चेयरमैन का पद नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब में 4.000 चेयरमैन के पद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को ही दिए जाएंगे। सिद्धू ने कहा कि मैं पार्टी से अपील करता हूं कि वह मुझे इस पद पर बनाए रखे और यदि ऐसा रहा तो फिर किसी भी विधायक के बेटे को चेयरमैनी नहीं मिलेगी। सिद्धू ने अपने ही अंदाज में कहा कि मैं हमेशा कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा हूं। नवजोत सिद्धू ने मंच से ही हुंकार भरते हुए कहा कि यदि मैं अपनी मां का बेटा हूं तो ऐसा नहीं होने दूंगा। सीएम फेस की रेस में रहे सिद्धू ने चन्नी के नाम का ऐलान होने के बाद कहा कि वह हमेशा पार्टी के कार्यकर्ताओं के हित में काम करते रहेंगे। सिद्धू ने कहा कि चेयरमैन के पद कार्यकर्ताओं को मिलेंगे। यदि विधायक के परिवार के लोगों को ऐसी चीजें मिलती हैं तो फिर मैं प्रदेश अध्यक्ष के पद से ही इस्तीफा दे दूंगा। सिद्धू ने यह बात कहते हुए एक बार फिर से पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमला बोला, जिन्होंने विधायकों के बच्चों को सरकारी नौकरियां दी थीं।नवजोत सिद्धू ने मंच से ही हुंकार भरते हुए कहा कि यदि मैं अपनी मां का बेटा हूं तो ऐसा नहीं होने दूंगा। सीएम फेस की रेस में रहे सिद्धू ने चन्नी के नाम का ऐलान होने के बाद कहा कि वह हमेशा पार्टी के कार्यकर्ताओं के हित में काम करते रहेंगे। सिद्धू ने कहा कि चेयरमैन के पद कार्यकर्ताओं को मिलेंगे। यदि विधायक के परिवार के लोगों को ऐसी चीजें मिलती हैं तो फिर मैं प्रदेश अध्यक्ष के पद से ही इस्तीफा दे दूंगा। सिद्धू ने यह बात कहते हुए एक बार फिर से पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमला बोला, जिन्होंने विधायकों के बच्चों को सरकारी नौकरियां दी थीं।लुधियाना में वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए सिद्धू ने कहा कि वह कभी किसी पद के लिए नहीं जिए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा पंजाब की बेहतरी के लिए काम किया है और यहां के लोगों की जिंदगी सुधारना चाहता हूं। उन्होंने चन्नी को सीएम फेस घोषित किए जाने के मौके पर कहा कि मैं पार्टी के फैसले से बंधकर रहूंगा। सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस में ऐसे नेता हैं, जो मुद्दों के लिए खड़े होते हैं। पंजाब सिद्धू और चन्नी के रक्त में है। गौरतलब है कि लंबे समय से चले आ रहे सस्पेंस को खत्म करते हुए कांग्रेस ने पंजाब में मुख्यमंत्री चन्नी को ही चुनाव में सीएम फेस के तौर पर प्रोजेक्ट करने का ऐलान किया है।

हिजाब पहनकर पहुंची छात्राओं को अलग क्लास में बैठाया

बेंगुलरु (ईएमएस)। कर्नाटक में खड़े हुए हिजाब विवाद को लेकर लगभग हर दिन नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं।सोमवार को कुंदापुरा के सरकारी पीयू कॉलेज में हिजाब पहनकर आईं छात्राओं को कैंपस में प्रवेश दिया गया। हालांकि, इन छात्राओं को अलग कक्षाओं में बैठाया जाएगा। राज्य में जारी हिजाब विवाद के बीच पुलिस ने रविवार को उडुपी जिले के कुंडापुर में सरकारी पीयू कॉलेज के पास 'घातक हथियार' ले जा रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान अब्दुल मजीद (32) और रजब (41) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी कुंडापुर के पास गांव गंगोली के रहने वाले हैं। जिला पुलिस ने कहा कि पांच व्यक्ति 'घातक हथियार ले जा रहे थे और उनमें से तीन मौके से भागने में सफल रहे। कुंदापुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

यह मुद्दा जनवरी में उडुपी की गवर्नमेंट यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ था, जहां छह छात्राएं तय ड्रेस कोड का उल्लंघन कर हिजाब पहनकर कक्षाओं में आई थीं। इसके बाद इसतरह के मामले कुंडापुर और बिंदूर के कुछ अन्य कॉलेजों में भी आए। बेलगावी के रामदुर्ग यूनिवर्सिटी और हासन, चिक्कमंगलुरु और शिवमोगा में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब या भगवा शॉल के साथ छात्र-छात्राओं के आने की घटनाएं और बन्नीमंतपा (मैसूर) में हिजाब के पक्ष में लड़कियों के एक समूह के प्रदर्शन करने की खबरें सामने आई हैं।

चेतावनी के बाद भी बाज नहीं आया चीन पाक संग मिलकर कश्मीर पर फिर बेतुका बयान

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजिंग में इमरान खान से मिलने के बाद शी जिनपिंग ने भारत और पाकिस्तान को कश्मीर मसले का हल शांतिपूर्ण ढंग से निकालने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर पर कोई भी 'एकतरफा कदम' नहीं उठाए जाने चाहिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा के आखिरी दिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले। खान बीजिंग में हो रहे शीतकालीन ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए चीन गए थे।

दाऊद इब्राहिम पर शिकंजा कसने का नया प्लान तैयार

-एनआईए को सौंपी गई जांच

-यूएन ने दाऊद को माना है ग्लोबल आतंकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दाऊद इब्राहिम पर शिकंजा कसने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय ने अब एनआईए को दे दी है। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी आतंक पर जांच करने वाली देश की सबसे बड़ी एजेंसी है। बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब दाऊद इब्राहिम पर शिकंजा कसने के लिए एनआईए को बड़े स्तर पर लगाया गया है। अबतक ईडी दाऊद से जुड़े मामलों की जांच कर रही थी। लेकिन अब एनआईए के पास भी वह शक्ति है कि वह विदेश में जाकर कार्रवाई कर सकती है।

गृह मंत्रालय ने अंडरवल्र्ड डॉन दाऊद इब्राहिम पर शिकंजा कसने का एक नया प्लान तैयार किया है, इसी के अंतर्गत अब दाऊद इब्राहिम से जुड़े मामलों पर जांच का जिम्मा एनआईए को दिया गया है। दाऊद इब्राहिम, डी कंपनी और उससे जुड़े गुर्गों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामले पहले भी दर्ज हैं। अब एनआईए भी इसी के तहत कार्रवाई करेगी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, डी कंपनी और दाऊद इब्राहिम भारत में टेरर फंडिंग, नार्को टेरर, ड्रग्स स्मगलिंग और फेक करेंसी का व्यापार कर आतंक फैलाने का काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं दाऊद इब्राहिम और इसकी डी कंपनी, लश्कर ए तैयबा, जैश ए मोहम्मद और अल कायदा के जरिए भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रही है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, एनआईए सिर्फ दाऊद इब्राहिम और उसकी डी कंपनी की आतंकी गतिविधियों की ही जांच नहीं करेगा बल्कि अंडरवल्र्ड डॉन के गुर्गे छोटा शकील, जावेद चिकना, टाइगर मेनन, इकबाल मिर्ची (मृत), दाऊद की बहन हसीना पारकर (मृत) से जुड़ी आतंकी गतिविधियों की जांच भी करेगी।

दाऊद को भारत ने घोषित किया था डेजिग्नेटेड आतंकी

यूएन ने दाऊद इब्राहीम को ग्लोबल टेररिस्ट घोषित कर रखा है। साथ ही भारत ने भी यूएपीए के तहत दाऊद इब्राहिम को डेजिग्नेटेड आतंकी घोषित किया है। जानकारी ये भी है कि इस समय दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान में छिपा हुआ है और कराची के एक पॉश इलाके में ठिकाने बदल-बदल कर रहता है। एनआईए से जुड़े सूत्रों के मुताबिक दाऊद इब्राहिम पर एनआईए 120 बी और यूएपीए की अलग-अलग धाराओं के आधार पर शिकंजा कस रही है।

धर्म संसद में हिंदुत्व पर हुई बातों से आरएसएस प्रमुख भागवत सहमत नहीं

मुंबई (ईएमएस)। धर्म संसद के मंच पर कथित तौर पर हिंदुत्व को लेकर की बातों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत असहमत है। मोहन भागवत ने कहा है कि धर्म संसद से निकली बातें हिंदू और हिंदुत्व की परिभाषा के अनुसार नहीं थीं। अगर कोई बात किसी समय गुस्से में कही जाए तो वह हिंदुत्व नहीं है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस और हिंदुत्व में विश्वास रखने वाले लोग इस तरह की बातों पर भरोसा नहीं करते हैं। दरअसल, पिछले साल दिसंबर महीने में हरिद्वार में हुई धर्म संसद में मुसलमानों को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया गया था जबकि रायपुर में हुई धर्म संसद में महात्मा गांधी को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की गई थी।

संघ प्रमुख ने कहा कि वीर सावरकर ने हिंदू समुदाय की एकता और उसे संगठित करने की बात कही थी लेकिन उन्होंने यह बात भगवद गीता का संदर्भ लेते हुए कही थी, किसी को खत्म करने या नुकसान पहुंचाने के परिप्रेक्ष्य में नहीं।

भारत में मुट्ठी भर अमीरों की ग़ुलाम सरकार है, अमीरी और ग़रीबी में विभाजित अर्थव्यवस्था है - कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद के चालू बजट सत्र में लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र के भाषण को लेकर कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियों ने पीएम मोदी उन पर और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. प्रधानमंत्री मोदी की ओर से कोरोना की कोरोना की पहली लहर के दौरान मुंबई में कांग्रेस की ओर से रेलवे टिकट बांटे जाने वाले बयान पर मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले ही कहा था कि अंतराष्ट्रीय उड़ानें बंद कर देनी चाहिए ताकि मामले ना बढें, लेकिन ऐसा नहीं किया गया. हमने 106 ट्रेनों से लोगों को भेजा. सरकार ने जब कहा कि वो 75 फीसदी किराया माफ कर रहे हैं तो हमने बाकी 25 फीसदी रकम भरने का काम किया और उनके खाने पीने का इंतज़ाम किया. गलत नीतियों के वजह से लोग जाने को मजबूर हुए. मुंबई में मृतकों के शव को उनके घर तक पहुंचाया गया था. उत्तर प्रदेश में गंगा किनारे वो शव थे. जनता को सबकुछ याद है.

कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया और लिखा कि आज सदन में खूब ''प्रोपेगंडा'' फैलाया गया कि भारत सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है. हक़ीकत में भारत में मुट्ठी भर अमीरों की ग़ुलाम सरकार है. अमीरी और ग़रीबी में विभाजित अर्थव्यवस्था है. 142 अमीरों की सम्पति 23,14,000 करोड़ से बढ़कर 53,16,000 करो

जन हितैषी

चुनावी पाबंदियां अनलॉक

देश में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को फिजिकल रैली करने की परमिशन दे दी है। रैली के लिए ग्राउंड और हॉल का प्रयोग किया जा सकता है। वहीं रैली में आए नेता और कार्यकर्ताओं के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। आयोग ने पत्र जारी करते हुए कहा कि रैली के दौरान मैदान में उसकी कुल क्षमता की 30 फीसदी भीड़ ही जुटाई जा सकती है। वहीं इंडोर हॉल में 50 फीसदी उपस्थिति के साथ सभा करने की अनुमति है। पदयात्रा, बाइक रैली और जुलूस निकालने पर पहले की तरह प्रतिबंध जारी रहेगा। कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच छोटी पार्टियां लगातार रैली करने की अनुमति मांग रही थी। इन पार्टियों का तर्क था कि संसाधन नहीं होने की वजह से वर्चुअल रैली करने में कठिनाई हो रही है और इस वजह से हम जनता तक अपनी बात नहीं पहुंचा पा रहे। वैसे आयोग ने प्रतिबंधों की अवधि 11 फरवरी तक और बढ़ा दी थीं, मगर यह मियाद खत्म होने से पहले उसने नए आदेश जारी कर दिए। नया आदेश पहले चरण के प्रचार खत्म होने से दो दिन पहले आया है। लिहाजा दूसरे चरण के मतदान वाले राज्यों या सीटों पर प्रत्याशियों को राहत मिलेगी। हालांकि पहले से चले आ रहे प्रतिबंधों के बावजूद जिस तरह से राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग की नजरों में धूल झोंकने का भरपूर प्रयास किया, वे ताजा फैसले के बाद नहीं करेंगे, इसका दावा करना मुश्किल है। यों भी राजनेताओं को भीड़ देख कर ही उत्साह बनता है, इसलिए जिस समय दस लोगों को साथ लेकर घर-घर जाकर प्रचार करने की इजाजत थी, उस समय भी सैकड़ों लोगों को साथ लेकर चल रहे थे। उसमें मुंह ढंकने और उचित दूरी का पालन करने की जरूरत शायद कोई नहीं समझ रहा था। दरअसल, निर्वाचन आयोग की यह शर्त कई नेताओं के साथ व्यावहारिक रूप में लागू करना संभव नहीं हो पा रहा था। राजनीतिक दलों के बड़े चेहरों के सुरक्षा इंतजाम में ही इतने लोग लगे रहते हैं कि उन्हें दस की संख्या तक सीमित रख पाना संभव नहीं होता। इसलिए मांग की जा रही थी कि प्रशासन को कुछ ऐसा इंतजाम करें, जिससे भीड़भाड़ को काबू में रखना आसान हो सके। शायद इसे भी ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने कुछ ढिलाई दी है। यों कोरोना के मामले अब पहले से कम दर्ज हो रहे हैं, पर चिंता की बात है कि इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा निरंतर बढ़ रहा है, इसलिए इसे लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही खतरे से खाली नहीं मानी जा सकती। ऐसे में जिस तरह राजनीतिक दल प्रचार में नियम-कायदों को ताक पर रखते देखे जा रहे हैं, वे नए नियमों के बाद कुछ और छूट लेने का प्रयास करेंगे। मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती है, राजनीतिक दलों में प्रचार की होड़ बढ़ जाती है। इसलिए वे निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाने से शायद ही बाज आएं। मगर निर्वाचन आयोग से अपेक्षा है कि जब उसने नियम बनाए हैं, तो उन पर अमल भी कड़ाई से सुनिश्चित कराए। वरना उसकी ढिलाई पर पहले ही अंगुलियां उठती रही हैं। इस बार मामला बड़ी आबादी की सेहत का है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए।

देश में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को फिजिकल रैली करने की परमिशन दे दी है। रैली के लिए ग्राउंड और हॉल का प्रयोग किया जा सकता है। वहीं रैली में आए नेता और कार्यकर्ताओं के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। आयोग ने पत्र जारी करते हुए कहा कि रैली के दौरान मैदान में उसकी कुल क्षमता की 30 फीसदी भीड़ ही जुटाई जा सकती है। वहीं इंडोर हॉल में 50 फीसदी उपस्थिति के साथ सभा करने की अनुमति है। पदयात्रा, बाइक रैली और जुलूस निकालने पर पहले की तरह प्रतिबंध जारी रहेगा। कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बीच छोटी पार्टियां लगातार रैली करने की अनुमति मांग रही थी। इन पार्टियों का तर्क था कि संसाधन नहीं होने की वजह से वर्चुअल रैली करने में कठिनाई हो रही है और इस वजह से हम जनता तक अपनी बात नहीं पहुंचा पा रहे। वैसे आयोग ने प्रतिबंधों की अवधि 11 फरवरी तक और बढ़ा दी थीं, मगर यह मियाद खत्म होने से पहले उसने नए आदेश जारी कर दिए। नया आदेश पहले चरण के प्रचार खत्म होने से दो दिन पहले आया है। लिहाजा दूसरे चरण के मतदान वाले राज्यों या सीटों पर प्रत्याशियों को राहत मिलेगी। हालांकि पहले से चले आ रहे प्रतिबंधों के बावजूद जिस तरह से राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग की नजरों में धूल झोंकने का भरपूर प्रयास किया, वे ताजा फैसले के बाद नहीं करेंगे, इसका दावा करना मुश्किल है। यों भी राजनेताओं को भीड़ देख कर ही उत्साह बनता है, इसलिए जिस समय दस लोगों को साथ लेकर घर-घर जाकर प्रचार करने की इजाजत थी, उस समय भी सैकड़ों लोगों को साथ लेकर चल रहे थे। उसमें मुंह ढंकने और उचित दूरी का पालन करने की जरूरत शायद कोई नहीं समझ रहा था। दरअसल, निर्वाचन आयोग की यह शर्त कई नेताओं के साथ व्यावहारिक रूप में लागू करना संभव नहीं हो पा रहा था। राजनीतिक दलों के बड़े चेहरों के सुरक्षा इंतजाम में ही इतने लोग लगे रहते हैं कि उन्हें दस की संख्या तक सीमित रख पाना संभव नहीं होता। इसलिए मांग की जा रही थी कि प्रशासन को कुछ ऐसा इंतजाम करें, जिससे भीड़भाड़ को काबू में रखना आसान हो सके। शायद इसे भी ध्यान में रखते हुए निर्वाचन आयोग ने कुछ ढिलाई दी है। यों कोरोना के मामले अब पहले से कम दर्ज हो रहे हैं, पर चिंता की बात है कि इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा निरंतर बढ़ रहा है, इसलिए इसे लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही खतरे से खाली नहीं मानी जा सकती। ऐसे में जिस तरह राजनीतिक दल प्रचार में नियम-कायदों को ताक पर रखते देखे जा रहे हैं, वे नए नियमों के बाद कुछ और छूट लेने का प्रयास करेंगे। मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती है, राजनीतिक दलों में प्रचार की होड़ बढ़ जाती है। इसलिए वे निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाने से शायद ही बाज आएं। मगर निर्वाचन आयोग से अपेक्षा है कि जब उसने नियम बनाए हैं, तो उन पर अमल भी कड़ाई से सुनिश्चित कराए। वरना उसकी ढिलाई पर पहले ही अंगुलियां उठती रही हैं। इस बार मामला बड़ी आबादी की सेहत का है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए।

इक्कीस महीनें पहले चुनावी चिंता

चुनावी लाभ के लिए अभी से बजट पर फोकस....?

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल के अंत (नवम्बर 23) में होंगे अर्थात् विधानसभा चुनावों के लिए अभी इक्कीस महीनों का समय शेष है, किंतु मुख्यमंत्रित्व काल के करीब साढ़े पन्द्रह साल पूरे करने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अभी से अपनी अगली पारी की चिंता सताने लगी है... उन्होंने भाजपा विधायकों को बुलाकर कह दिया है कि अगले चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए वे राज्य के बजट हेतु यथाशीघ्र अपने क्षेत्र के जनहित कार्यों के सुझाव प्रस्तुत करें। शिवराज जी पूरे राज्य का राजनीतिक तानाबाना अभी से तैयार कर रहे है तथा पूरे राज्य के विभिन्न कार्ययोजनाओं की सूची बनाकर व प्राथमिकता तय कर कुछ परियोजनाएं इस वित्तीय बजट में तथा शेष अगले वित्तीय बजट में रखकर चुनाव पूर्व सभी जनहितैषी कार्ययोजनाएं पूरी करना चाहते है, जिससे कि अगले साल चुनाव के पूर्व ही वे प्रदेश के मतदाताओं को अपने पक्ष में प्रभावित कर सकें। मध्यप्रदेश का बजट अगले कुछ ही दिनों में विधानसभा में प्रस्तुत होने जा रहा है, जिसकी रूपरेखा की शासकीय स्तर पर शुरूआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने निर्धारित समयसीमा में अपने दल के विधायकों को अपने क्षेत्र के सुझाव प्रस्तुत करने को कहा है।

वैसे राजनीतिक तौर पर यह माना जा रहा है कि बजट से राजनीतिक लाभ लेने की सोच शिवराज जी की अपनी नही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी केन्द्र के बजट को लेकर देश के पार्टी कार्यकर्ताओं व जन प्रतिनिधियों को आम वोटर तक बजट का लाभ पहुंचाने की अपील की है। केन्द्र का बजट संसद में पिछले दिनों ही प्रस्तुत हुआ है, प्रधानमंत्री चाहते है कि केन्द्र व राज्यों के बजट में 'आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था' को प्राथमिकता दी जाए, जिससे कि हमारी विदेश आधारित निर्भरता कम हो सके तथा देश की जनता लाभान्वित हो भाजपा को इसका श्रेय देकर अगले चुनावों में पार्टी का विशेष ध्यान रखें। प्रधानमंत्री जी ने पिछले दिनों देश के भाजपाशासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों तक अपना यही संदेश पहुंचाया है, जिसकी प्रतिच्छाया शिवराज सिंह जी की विधायकों के नाम अपील में दिखाई दी। इस तरह यदि अगले सभी बजट भाजपा के राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करने वाले हो तो आश्चर्य की किया जाना चाहिये।

बजट पर फोकस करने के साथ ही मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने गरीबों को लाभन्वित करने वाली कार्य योजनाओं पर प्राथमिकता से काम करने की अपील की है। उदाहरण स्वरूप गरीबों के लिए चलाई जा रही आवास, स्वास्थ्य व रोजगार योजनाएं प्राथमिकता से चलाने की अपील की है। ग्रामीण आवास (प्लस) योजना के तहत तीस लाख नए हितग्राहियों को जोड़ने की योजना है।

शिवराज जी ने अपने दल के विधायकों के साथ राज्य सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि वे पार्टी विधायकों के प्रस्तावों पर गंभीर चिंतन कर उन्हें अपने अंजाम तक पहुंचाये, शिकायत मिलने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भाजपा को पिछले विधानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में काफी कटु अनुभव प्राप्त हुआ था, जब भाजपा विधानसभा में बहुमत से दूर रह गई थी और कांग्रेस ने कमलनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बना ली थी किंतु कांग्रेस अपना आंतरिक कलह संभाल नहीं पाई और राज्य के प्रभावी युवा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने दो दर्जन समर्थक विधायकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया और यहां शिवराज जी पुनः मुख्यमंत्री बन गए बाद में राज्यसभा में आकर सिंधिया जी भी केन्द्र में मंत्री बन गए।

अतः इस ताजे पुराने कटु अनुभव को दृष्टिगत रखते हुए यहां भाजपा अभी से फूंक-फूंक कर अपने अगले कदम रख रही है और इसीलिए विधानसभा चुनावों के इक्कीस महीनें पहले चुनावी बुनावट शुरू कर दी गई है।

इस प्रकार कुल मिलाकर कांग्रेस चाहे अभी भावी चुनावों को लेकर जागृत न हुई हो किंतु पिछले उन्नीस साल से राज्य पर सत्तासीन भाजपा न सिर्फ स्वयं जाग गई है बल्कि अपनों को भी जगा रही है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

प्रेम पथिक बसंत को भुला दिया रे-खबरी लाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत को पर्व त्योहारो का देश कहा गया है। यहाँ की संस्कृति - सभ्यता ही विश्व के मानचित्र में हमारी पहचान है। लेकिन दुःख की बात यह है कि इस भौतिक वादी युग में आज मानव अपने भोग विलास इतना लिप्त हो गया है कि उसे पता ही नही है कि उसके जीवन का लक्ष्य क्या है। आज उसके पास समय नही है। विगत वर्षो में प्रकृति ने मानव को उसके जीवन के वास्तविक जीवन से परिचय वैश्विक महामारी कोरोना संकट काल में कराया दिया है।

वसंत ऋतु का आगमन हो चुका है।वसंत के स्पर्श मात्र से प्रकृति पुल्लकित व पल्लवित हो गई है। प्रकृति ने अपना श्रंगार किया है। खेतो में खड़ी सरसों के लहराते पीले फूलों ने वसंत बयारों के साथ नव यौवनाओं की तरह अठखेलियाँ कर रही है। बागों में आम के पेड़ो पर नव मंजरी की मन मोहक मादकता की सुगंध से जग जाहिर हो गया है कि ऋतु राज का आगमन हो चुका है। ऋतुराज वसंत अपने साथ प्राकृतिक आनंद लेने की सुःखद सौगात लेकर आपके घर आँगन में अपनी उपस्थित दर्ज करा दी है। जिस की चर्चा गाँव में बुजुर्गों के चौपाल,पनघट पर पन हारियों की घूंघट के अन्दर से निकलती विरह की गीतों सुनाई पड़ने लगी है। बसंत आगमन की खुशी में बाग -बगीचे व उपवन में रंग बिरंगे सुमन की सुंगध चहुं दिशाओं

यें महक उठी है,चिड़ियाँ चहकने लगी है।प्रकृति का पराग पर्यावरण में इस कदर छलका है कि देश का सम्पूर्ण परिवेश आनंदित हो गया है।सारे जहान में सरसता ही सरसता झलकता है ,किन्तु आज प्रातः काल से आकाश घने काले बादल के आगोश में भगवान भुवन भास्कर छिपा है।मै अपनी विस्तर पर लेटा ही था,तभी मेरी नजर अनायास ही समाने की दीवार पर टंगे हुए पर पड़ते ही पता चला कि आज हिन्दी पंचाग के अनुसार माघ मास का आगमन हो चुका है जो कि बसंत ऋतु का आगमन की शुभ सन्देश दे रहा है। वसंत के मनमोहक मादकता की महक से भरे वातावरण में प्रकृति रानी एक नव नवेली दुल्हन की तरह सातों श्रृंगार करने के लिए तत्पर है' वही ओर पर्वत राज हिमालय के स्वेत हिम खण्डों से सर्द हवाओं का हाड़ कप कपाने वाली सर्दी हम कहानी सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी द्वारा लिखित कहानी 'पुस की रात 'की यादें ताजा कर रही है।

आज के भौतिकवादी युग में वसंत की यादें धूमिल सी हो गई है। खासकर विकाश के नाम पर जगह - जगह विकाश काय कंकरीट के जंगल गगन चुम्बी इमारतों में रहने वाले समाज के सभ्य मानव मशीनों की तरह अपने जीवन जीने को मजबूर है।

मै सोचने को बाध्य हो गया हुँ कि काश इस समय मै अपने गाँव में होता जहाँ ऋतु राज वसंत आगमन के स्वागत में गाँव के सभी बच्चे बड़े ,नव युवक - नव युवतियां' किसान व ग्रहणी अपने अपने स्तर तैयारियो में जुट जाते है। अन्न दाता किसान अपने खेतों में लहराते हुए रवि फसलों में लगे हरे हरे गेंहू की बाली,चने - मटर व तीसी के रंग बिरंगें फुलों के संग वसंत वयारो प्रकृति अपनी अल्हड यौवन की अटखेलियाँ थकते नही है।यहाँ के सभी वन उपवन में खिले रंग विरंगें फुलों से स्वयं प्रकृति ने श्रृंगार किया है। तभी तो रसिक भंवर में अपने मधुर संगीत की प्रेम घुन छेड़ दी है।संगीत के मर्मज्ञ संगीतकारों ने अपनी साज व बाध्य यंत्रो से संगीत के मधुर रस घुलने वाली तान का रियाज करने में व्यस्त हो गए है। गाँवो के गवैये ने फागुन के गीत फाग व होली की गीत की मधुर संगीत स्वर सुनाई पड़ने लगे है। इस वासंतिक स्पर्श से साधकों का अन्त करण भी कैसे अछुता रह सकता है। साधकों के संकल्प में नये सुमन खिले है जो साधना में बिखेर रही है।अपने सद्गुरु की सानिध्य में साधकों द्वारा साधना के सातो स्वर 'आस्था,श्रद्धा,सेवा , समपर्ण,त्याग 'करूणा व प्रेम ने माधुर्य रस बरसाने लगे है। सद्गुरू प्रेम के सरगम ने साधकों के अंत करण इस कदर तान छेडी है कि आज सम्पूर्ण वातावरण स्पंदित होने लगा है।यहाँ तक की स्वयं अज्ञानता रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश अथार्त स्वयं ज्ञान की देवी सरस्वती विभोर व भाव विहल हो कर महाप्रज्ञा कि ऋतम्भरा बन कर समस्त मानव समुदाय को वरदान देते हुए साधको के अन्तस के अस्तित्व में स्वयं अवतरित हो रही है।वसंत की उपस्थित में सदा मौन रहने वाला पर्वतराज हिमालय भी आज अपने आप को अछुता नही रख पाया है।वंसत के माधुर्य वयारों से हिमखंड हिमालय को मुखर कर दिया है। उससे गुजरने वाला वायु के वातरस में बहने वाली नदियों की जल धारा में मिठास घोल दी है। मधुमास के रंग में मघुमती हो गई है देवदार चीर - चिनार के संग अनेकों जुड़ी बुटी व औषधि पौधे ने अभय दान का अमृत रस घोलने शुरू कर दिया है। हिमालय के कंदराओं में साधना रत ऋषि मुनि अपना मौन तोड़कर मुखर हो गए है।

स्वेत हिम खण्ड से सदा ही अच्छादित कैलाश

वासी सद्गुरु शिव शंकर ने अपने साधक संतानों को साधना द्वारा अपने अंतकरण के द्वार की चाबी सौप कर उनका मार्ग दर्शन कर रहे है। आज मलयाचल पर्वत से अमृत वेला में बहने वाली ब्यार के संग संदेश भेजा है कि यह साधना की वेला है जन जागरण का समय व अध्यात्मिक कान्ति के माध्यम से नर से नारायण बनने की वेला है । जो जागृत है ,साधना रत है लेकिन अपने अंतराल के अंधकारमय अंहकार में उलझे है ' वे ये नही जानते है कि बाहर से दिखने वाला स्वर्ण कलश में भड़कीले - चमकीले पश्चिमी सभ्यता ने हमारे समाज में शनै शनै विष घोल रही है। इस सभ्यता के प्रबल समर्थक भारतीय प्राचीन सभ्यता व संस्कृति की मिटटी कलश में छिपे अमृत कलश की अनदेखी करने है।जिसका दुष्परिणाम आज आप व हमारे समाने है।

ऐसे प्रेम पथिक वसंत गौतम नानक 'मीरा' कबीर 'रस खान,कृष्ण की भुमि के निवासी यह कहने को मजबूर हो गया है कि ठ तुमने मुझे रुला दिया रे -- -- रुला दिया।तुम ने मुझे भूला दिला रे --- - भुला दिया लैकिन मै तुझे कैसे भुला सकता हूँ । मुझे तो इस देव भुमि से प्रगाढ़ प्रेम है । आप के पुर्वजों से वे शर्त प्रेम है।इसलिए मै प्रत्येक वर्ष अपने चाहने वाला निष्काम लिए आता था 'आ गया हूँ और भविष्य में भी आता रहुगा अपने प्रेमी के जीवन में आनंद रस घोल कर अमृत पान कराने के लिए !

प्रिय पाठक आप के जीवन मे भी वसंत आप के दलहीज पर आ कर दस्तक दे रहा है।आपको हंसाने ' जीवन का सच्चे आनंद लेने के लिए !यह वसंत आपके जीवन में प्रेम अनुराग ' उल्लास लाये यही हमारी कामना है।फिल हाल यह कहते हुए विदा लेते है - ना ही काहू से दोस्ती,ना ही काहूं से बैर। खबरी लाल तो माँगे सबकी खैर?

प्रस्तृति
विनोद तकिया वाला
स्वतंत्र पत्रकार

दैनिक पंचांग

08 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.57 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	08.30 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.00 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.40 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	13.38 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	15.52 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	18.08 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	20.20 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	22.31 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृश्चिक	00.45 ब.से
		धनु	03.01 बजे से
		मकर	05.06 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 39 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी अहोरात्र।
नक्षत्र भरणी 21.27 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल (शुक्र) 17.05 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 19.20 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.8 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871153
जूलियन दिन 2459618.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443 **महीना** रज्जब
तारीख 06
विशेष भीष्म अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी, महाराज नवल एवं संत महादेव जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास 8 फरवरी

1705 औरंगजेब ने अंतिम सैन्य अभियान शुरू किया.
1725 रूस के पीटर महान का निधन हुआ और कैथरीन गद्दी पर बैठी.
1785 वारेन हेस्टिंग्स भारत से गया.
1809 आस्ट्रिया नरेश प्रथम ने फ्रांस से जंग का ऐलान किया.
1819 अंग्रेजी भाषा के साहित्यकार जान रस्किन का जन्म.
1872 भारत के वायसराय लार्ड मेयों की हत्या अंडमान में शेर अलो नामक कैदी ने की.
1897 डॉ. जाकिर हुसैन का जन्म हैदराबाद में हुआ.
1943 नेताजी सुभाषचंद्र बोस जर्मन यू बोट में सवार हो जापान के लिए रवाना हुए.
1962 अमरीकी सैन्य परिषद का गठन वियतनाम में किया गया.
1963 इराक में विद्रोहियों ने प्रधानमंत्री अब्दुल करीम कासिम की हत्या कर दी और अब्दुल सलाम आरिफ ने कुर्सी संभाली.
1964 हालैंड की राजकुमारी आयरीन ने गद्दी से अपना दावा छोड़कर स्पेन के राजकुमार से शादी की.
1971 कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का निधन.
1974 अमरीकी स्काईलैब के तीनों अंतरिक्ष यात्री 84 दिन अंतरिक्ष यात्रा के बाद धरती पर लौटे.
1975 सोवियत रूस व अमरीकी संयुक्त अंतरिक्ष अभियान के लिए दोनों देशों के अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण शुरू हुआ.
1988 यूरोपीय आर्थिक समुदाय के बारह देशों ने अधिकृत क्षेत्रों में इजरायल का दमनकारी नीति का विरोध किया.
2003 दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप क्रिकेट प्रारम्भ हुआ.
2004 भारत ने महिला एशिया हाकी कप जीता.

आखिर टूट ही गई लता मंगेशकर की जिंदगी की लड़ी!

मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 28 दिन भर्ती रहने के बाद भारत की स्वर कोकिला और भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर की जिंदगी की लड़ी आखिर टूट ही गई । लता मंगेशकर को 28 दिन पहले सांस की तकलीफ के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सब की दुआओं और प्रार्थनाओं के बावजूद लता मंगेशकर का स्वास्थ्य ठीक नही हो पाया और वे चल बसी।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने मात्र 5 साल की उम्र में ही अपने पिता के मराठी संगीत नाटय में कार्य किया था । सन 1942 में इनके पिता की मौत हो गई। इस दौरान ये मात्र 13 वर्ष की थीं। नवयुग चित्रपट फिल्म कंपनी के मालिक और इनके पिता के दोस्त मास्टर विनायक ने इनके परिवार को संभाला और लता मंगेशकर को एक सिंगर और अभिनेत्री बनाने में भरपूर मदद की।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर सन 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। इनके पिता दीनानाथ मंगेशकर, प्रतिभाशाली शास्त्रीय गायक और थिएटर अभिनेता थे, और माँ शुधमती थी, जोकि माई के नाम से भी जानी जाती थी, इनके पाँच प्रतिभाशाली बच्चों में से लता मंगेशकर सबसे बड़ी है। लता मंगेशकर के अन्य भाई-बहनों के द्धछ– हृदयनाथ, आशा, ऊषा और मीना हैं; ये सभी सफलता की बुलन्दियों को छूने के साथ मराठी और हिंदी संगीत उद्योग में प्रतिष्ठित रहे हैं।

लता मंगेशकर बहुत कम उम्र से ही अपने पिता के गायन और के.एल. सहगल के संगीत से प्रभावित रही। लता मंगेशकर के पिता ने उनके गायन की प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। पिता का देहान्त हो जाने के बाद लता ने अपने घर का भरन-पोषण करने के लिए फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। सन1942 में, लता मंगेशकर ने पहली बार मंगलागौर' में अभिनय किया। इसके बाद लता मंगेशकर ने माझे बाल(1944), चिमुकला संसार(1943), गजभाऊ(1944), बड़ी माँ(1945),जीवन यात्रा(1946) और छत्रपति शिवाजी(1952) फिल्मों में अभिनय किया और अपनी अभिनय कला सिद्ध की।लता मंगेशकर ने अपने संगीत सफर की शुरुआत मराठी फिल्मों से की। इन्होंने मराठी फिल्म 'किटि हासल' (1942) के लिए एक गाना 'नाचुं या गडे, खेलूं सारी मनी हस भारी' गाया, मगर अंत समय में इस गाने को फिल्म से निकाल दिया गया। इसके बाद विनायक ने नवयुग चित्रपट की मराठी फिल्म 'पहली मंगला गौर' (1942) में कार्य किया और फिल्म में गाना 'नातली चैत्राची नावलाई' गाया।

वर्ष 1947 में लता मंगेशकर के जीवन ने एक नया मोड़ लिया। भारत के विभाजन के बाद, उस समय के लोकप्रिय गायक नूर जहान और कई निर्देशकों ने देश छोड़ दिया था ,जिसने लता मंगेशकर के लिए सफलता के दरवाजे खोल दिए। स्वतंत्रता के बाद, लता मंगेशकर ने सन 1947 की मुख्य फिल्म 'आपकी सेवा' में गीत गाए, इस फिल्म के गीतों ने इन्हें फिल्मी उद्योग में अद्भुत सफलता दिलवाई और सन 1949 में गीत 'आयेगा आनेवाला' भी काफी लोकप्रिय हुआ।सन 1950 के दशक तक, लता मंगेशकर ने खुद को फिल्मों में एक गायिका के रूप में स्थापित कर लिया था। लता मंगेशकर उस समय के कुछ महान संगीत निर्देशकों जैसे अनिल विश्वास और शंकर-जयकिशन के साथ काम करती थीं। लता मंगेशकर ने 'एक थी लड़की', 'महा', 'बड़ी बहन' और 'बरसात' जैसी फिल्मों में गीत गाए, जिसने उन्हें और अधिक सफल गायिका बना दिया। लता मंगेशकर ने लगभग सभी प्रमुख संगीत निर्देशकों के साथ काम किया और तीन दशकों तक हिंदी फिल्म उद्योग पर छायी रहीं, वह फिल्मी गीतों की निर्विरोध म्यूजिकल क्वीन कही जाती थी। लता मंगेशकर ने कुछ प्रसिद्ध संगीत निर्देशकों जैसे आर. डी. बर्मन, सलिल चौधरी, एस.डी. बर्मन, नौशाद, सी. रामचंद्र और मदन मोहन और कई अन्य हस्तियों के साथ गीत गाए। लता मंगेशकर के यादगार गीतों में से कुछ गीत उनके प्रशंसकों के दिल पर आज भी राज करते हैं, उनमें राम तेरी गंगा मैली'(1986), 'लेकिन'(1990), 'जंगली'(1961), 'जब जब फूल खिले' (1965) आदि शामिल है।

सन 2001 में, भारत सरकार ने लता मंगेशकर को सर्वोच्च भारतीय नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा था।जो संगीत व गायन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।स्वर कोकिला लता मंगेशकर से सन 2010 में उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल ठनिशंकठ व उनके साथ रुड़की के साहित्यकार डॉ योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण साथ मुम्बई में मिलने उनके आवास पर गए। उस समय भी वे अस्वस्थ थीं और अस्पताल जा रही थी। उसी समय डॉ अरुण ने यह दोहा रचा

ठलय औ ताल दोनों मिले,
जीवन है संगीत।
तानसेन की आत्मा,
बैजू की है प्रीत।ठ

यह दोहा जब लता जी को उन्होंने सुनाया,तो वे गद-गद हो गईं और उनसे लगभग 15 मिनिट बातें की। डॉ ठनिशकठ ने उन्हें अपना काव्य-संग्रह ठऐ वतन तेरे लिएठकी प्रति भेंट की तो उन्होंने पुस्तक में छपे कुछ गीतों को गाने का वायदा किया था, जो बाद में पूरा भी किया। इस चित्र में डॉ ठनिशकठ और डॉ योगेन्द्र नाथ शर्मा ठअरुणठ के साथ मुंबई के हास्य-व्यंग्य कवि डॉ मुकेश गौतम भी हैं। मां सरस्वती की महान पुत्री लता मंगेशकर का सरस्वती दिवस बसंत पंचमी से अगले दिन जाना यह सिद्ध करता है कि उनकी आत्मा ,स्वर और शरीर तीनो में सरस्वती विराजित रही।उन्हें शत शत नमन।

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7191

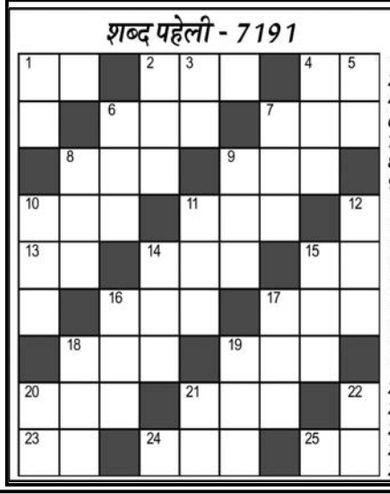

बाएँ से दाएँ

1.प्राणेंद्रिय-2
2.लंबी गर्दन वाला पशु-3
4.आफत,मुसीबत-2
6.लाचार-3
7.आसरा,मदद-3
8.आश्रय,शरण-3
9.राज कपूर की पोती-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.दासत्व,गुलामी-3
13.आर्टिकल-2
14.इच्छा,लालसा-3
15.दुगना,दोगुना-2
16.भार-3
17.टेसू के फूल-3
18.राजा का भवन-3
19.चौकसी-2
20.प्रेमी,साजन-3
21.कैनाल,उपनदी-3
23.जीवन सत्व,प्राण-2
24.प्रहार,आक्रमण-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.अभिमान-2
2.मारना,वध करना-2
3.नृत्य,कृष्णलीला-2
4.अपव्यय करना-3
5.वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6.अज्ञात,अनाम-3
7.नदी,दरिया-3
8.जांच,परीक्षण-3
9.परीक्षा करना-3
10.जिगर-3
11.आंचल-3
12.नाश,विध्वंस-3
14.अंजन,नेत्रांजन-3
15.लाडला-3
16.शक,संदेह-3
17.तीन घंटे का समय-3
18.चिंतन-3
19.प्रथम-3
20.दंड,शिक्षा-2
21.आंशिक भीगा हुआ-2
22.प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -7190 का हल

■Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

सहवाग का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में 60 रनों की पारी खेलने के साथ ही पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का एक रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम इंडिया की ओर से ए

दुनिया एक और शीत युद्ध बर्दाश्त नहीं कर सकती: इमरान खान

- चीन और अमेरिका के बीच मध्यस्थता का ख्वाब देख रहे हैं इमरान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों खुली आंखों से सपने देख रहे हैं। बीजिंग दौरे पर पहुंचे इमरान ने चीन और अमेरिका के बीच मध्यस्थ बनने की इच्छा जता दी है। यह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शपथ ग्रहण के बाद से अब तक उन्हें बातचीत करने के लायक नहीं समझा है। खुद इमरान खान इस बात को लेकर कई बार सार्वजनिक तौर पर अपने दुख का इजहार कर चुके हैं। इसके बावजूद वे मौजूदा समय की सबसे बड़ी वैश्विक समस्या के समाधान ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने बताया ?कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका और चीन के बीच विवाद को सुलझाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। फवाद ने कहा कि चीन में थिंक टैंकों के साथ अपनी बैठकों के दौरान इमरान खान ने जोर देकर कहा कि दुनिया एक और शीत युद्ध बर्दाश्त नहीं कर सकती।

बीजिंग शीतकालीन ओलिंपिक के उद्घाटन समारोह में भाग लेने और पैसा मांगने आए इमरान खान ने रविवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान चीन ने 60 अरब डॉलर के सीपीईसी निवेश कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के साथ करीबी सहयोग का संकल्प जताया। इस मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कश्मीर को लेकर जिनपिंग के सामने जमकर जहर उगला। चीन की एक सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार इमरान खान के साथ अपनी बैठक में शी जिनपिंग ने कहा कि चीन राष्ट्रीय आजादी, संप्रभुता, गरिमा की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान का दृढ़ता से समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन सीपीईसी के पूर्ण विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए पाकिस्तान से हाथ मिलाने को तैयार है। एक संयुक्त बयान में बताया गया कि पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू कश्मीर में स्थिति पर ताजा घटनाक्रमों से अवगत कराया। चीनी पक्ष ने फिर से कहा कि कश्मीर मुद्दा एक ऐसा विवाद है जो अतीत से मिला है और उसका उपयुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से समाधान होना चाहिए। चीन स्थिति को और जटिल करने वाली किसी भी एकपक्षीय कार्रवाई का विरोध करता है।

सेबी ने नया खुलासा प्रारूप जारी किया

मुंबई (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी ने चीजें सरल बनाने के मकसद से विवरण पुस्तिका की महत्वपूर्ण बातों को एक जगह संक्षिप्त जानकारी के रूप में देने को लेकर नया प्रारूप जारी किया है। इसके तहत पेशकश दस्तावेज के पहले पन्ने पर महत्वपूर्ण सूचनाएं देनी होंगी। नियमों के तहत कंपनी की किसी भी तरह की प्रतिभूति की खरीद को लेकर आवेदन फॉर्म के साथ विवरण पुस्तिका या पेशकश दस्तावेज की महत्वपूर्ण बातों का सारांश (एब्रिज्ड प्रोस्पेक्टस) उपलब्ध कराने की जरूरत होती है। सेबी ने कहा कि खुलासा जरूरतों की समीक्षा के बाद महसूस हुआ है, कि चूंकि कई प्रकार की जानकारियां साझा करने की जरूरत होती है,इसके बाद पहले पन्ने पर बहुत सारी सूचनाएं होती हैं। इससे चीजें बहुत साफ नहीं होती।

संशोधित प्रारूप के तहत कंपनी को प्रवर्तक, सार्वजनिक पेशकश की जानकारी....निर्गम के प्रकार, नये निर्गम तथा बिक्री पेशकश (ओएफएस), कुल निर्गम आकार... और विभिन्न श्रेणियों में शेयरों के आरक्षण की जानकारी विवरण पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर ही देनी होगी। साथ ही कंपनी को प्रवर्तक, प्रवर्तक समूह और अन्य शेयरधारकों की बिक्री पेशकश के बारे में पूरी जानकारी देने की जरूरत होगी। संक्षिप्त जानकारी वाली पुस्तिका में पेशकश की सारी विशेषताएं लिखी होती हैं। कंपनी को कीमत दायरे और न्यूनतम बोली के बारे में जानकारी देनी होगी। साथ ही निर्गम जारी करने वाली कंपनी को निर्गम खुलने और बंद होने की समयसीमा, पैसा वापसी की समयसीमा, डीमैट में जारी होने वाले शेयर और कारोबार शुरू होने की तारीख समेत सभी जरूरी जानकारी एक जगह उपलब्ध कराने की जरूरत होगी।

जीएसटी के दायरे में आ सकता है विमान ईंधन

मुंबई (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में केंद्र सरकार विमान ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के मुद्दे पर चर्चा करेगा। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की बढ़ती कीमतें चिंता का विषय हैं। एक जुलाई 2017 को जब जीएसटी प्रणाली लागू की गई थी तब केंद्र और राज्यों के दर्जनभर से अधिक लेवी, पांच जिंस- कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ इसके दायरे से बाहर रखे गए थे। सीतारमण ने हाल ही में एसोचैम के साथ बजट-बाद परिचर्चा में कहा कि एटीएफ को जीएसटी में शामिल करने के बारे में आ?खिरी फैसला परिषद लेगी। उन्होंने कहा ?कि यह केवल केंद्र के हाथों में नहीं है, इसे जीएसटी परिषद के पास भेजा जाएगा। परिषद की अगली बैठक के विषयों में इसे शामिल किया जाएगा ताकि इस पर चर्चा हो सके। वित्त मंत्री स्पाइसजेट के संस्थापक अजय सिंह के विचारों पर प्रतिक्रिया दे रही थीं जिनमें सिंह ने एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री से समर्थन मांगा था। सिंह ने कहा था ?कि तेल 90 डॉलर पर पहुंच गया, डॉलर के मुकाबले रुपया 75 के स्तर पर है, ऐसे में नागर विमानन क्षेत्र बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। एटीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए आपका समर्थन बहुत मददगार होगा। अभी केंद्र सरकार एटीएफ पर उत्पाद कर लगाती है जबकि राज्य सरकारों इस पर वैट लगाती हैं। तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ये कर भी बढ़ाए गए हैं।

आरबीआई ने एमपीसी की बैठक आठ तक टाली

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र सरकार के सात फरवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के कारण मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का कार्यक्रम बदलने की रविवार को घोषणा की। महाराष्ट्र सरकार ने सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन के कारण अवकाश घोषित किया है। पहले यह बैठक सात से नौ फरवरी 2022 को होनी थी। अब यह बैठक आठ फरवरी को होगी और बैठक के नतीजे 10 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। आरबीआई ने देर शाम एक बयान में कहा ?कि महाराष्ट्र सरकार के भारत रत्न दिवंगत मंगेशकर के सम्मान में सात फरवरी 2022 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के कारण एमपीसी की बैठक का कार्यक्रम बदलकर अब आठ से दस फरवरी 2022 कर दिया गया है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद कम

- होम लोन, कार लोन और ईएमआई में ?मिल सकती है राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दरें बरकरार रख सकता है। आरबीआई ने कहा ?कि वह ऐसा मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के मद्देनजर कर सकता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक सोमवार 7 फरवरी से शुरू होनी वाली थी, लेकिन लता मंगेशकर के निधन पर महाराष्ट्र में सोमवार को अवकाश घोषित किए जाने के चलते बैठक की तारीख को बढ़ा दिया गया है। अब यह बैठक 8 फरवरी से शुरू होगी और 10 फरवरी तक चलेगी। बजट के तुरंत बाद होने वाली इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) नीतिगत रुख को उदार से तटस्थ में बदल सकती है। साथ ही नकदी के सामान्यीकरण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में रिवर्स-रेपो दर में बदलाव कर सकती है। अर्थशास्त्री कहते हैं ?कि बजट में वृद्धि को लेकर दिए गए आश्वासन और कच्चे तेल की कीमतों के कारण मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका को देखते हुए रिजर्व बैंक रिवर्स रेपो दर में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि करके सामान्यीकरण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि अगले वर्ष इसमें 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर में 0.25 फीसदी का बदलाव कर सकता है। एमपीसी की पिछली बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी। तब केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को चार प्रतिशत पर बरकरार रखा था। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के इरादे से केंद्रीय बैंक ने लगातार नौवीं बार नीतिगत दर को रिकॉर्ड निचले स्तर पर कायम रखने का फैसला किया था।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सराफा बाजार में मांग बढ़ने की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को सोने की कीमत में उछाल और चांदी में जोरदार तेजी के साथ कारोबार दर्ज ?किया गया है। एमसीएक्स पर सोमवार को 0.21 फीसदी की बढ़त के बाद दस ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत उछलकर 48,023 रुपए पर पहुंच गई है। इसके साथ ही चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल आया है। चांदी का दाम 1.15 फीसदी की बढ़त लेते हुए 61,549 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। जानकारी के मुता?बिक दिल्ली और मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत क्रमशः 49,200 रुपए है। दिल्ली और मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत क्रमशः 45,100 रुपए है। चेन्नई में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना सोमवार को 49,550 रुपए पर बिक रहा है, जबकि 10 ग्राम 22 कैरेट सोना 45,420 रुपए पर बिक रहा है। उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण देश भर में सोने की कीमत अलग-अलग होती है। चेन्नई में एक किलो चांदी की कीमत 65,000 रुपए है, जबकि दिल्ली और मुंबई में यह धातु 60,900 रुपए में बिक रही है। कोलकाता में चांदी 60,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रही है, जबकि हैदराबाद और बेंगलुरु में धातु 65,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। वायदा बाजार में भी सोना और चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। चांदी की कीमत 674 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ कारोबार कर रही है। जिसकी वजह से दाम 61523 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए हैं। जबकि शुक्रवार को दाम 60849 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुए थे। जबकि सोमवार को जब बाजार खुला तो चांदी 61337 रुपए पर थी। वहीं सोने की कीमत में 90 रुपए प्रति दस ग्राम की तेजी देखने को मिल रही है। जिसकी वजह से दाम 48014 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गए हैं। जबकि शुक्रवार को बाजार 47924 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। जबकि सोना 48011 रुपए प्रति दस ग्राम पर खुला है।

मोदी सरकार से वाणिज्यिक उड़ानों को पूरी तरह खोलने की मांग : फेथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी (फेथ) ने भारत से आने-जाने के लिए पूर्ण क्षमता के साथ वाणिज्यिक उड़ानों के संचालन की अनुमति देने को कहा है।निकाय ने कहा है कि कदम से देश में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा। फेथ ने कहा कि भारत से आने-जाने वाले यात्रा उद्योग में गतिविधियां पिछले 23 महीनों से रुकी हैं। उद्योग निकाय ने कहा कि कोरोना की शुरुआत से पहले वर्ष 2019-20 में भारत में लगभग 1.9 करोड़ विदेशी पर्यटक आए थे। इससे करीब 30 अरब डॉलर की आय हुई। निकाय ने कहा आवाजाही बंद होने से यात्रा उद्योग के कर्मचारियों और उद्यमों पर भारी संकट है। साथ ही उद्योग में बेरोजगारी बढ़ रही है। वित्तीय दबाव भी बढ़ रहा है। फेथ ने कहा कि बहुत से देशों ने ओमीक्रोन संक्रमण का असर कम होने के बाद पूर्ण टीकाकरण वाले यात्रियों के लिए अपनी सीमाएं खोल दी हैं या खोलने की घोषणा की है। उद्योग निकाय ने कहा कि उसने पर्यटन को स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर सीमाओं को खोलने की घोषणा करने का अनुरोध किया है। साथ ही सभी भारतीय बंदरगाहों पर पूरी तरह से टीकाकरण वाले यात्रियों के लिए बिना अलग-थलग रहने की नीति के साथ पूर्ण वाणिज्यिक उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा करना का आह्वान किया है।

ओटावा के मेयर ने कोरोना प्रतिबंधों को लेकर प्रदर्शनों के बीच आपातकाल की घोषणा की

टोरंटो (ईएमएस)। ओटावा में कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों के कारण हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच कनाडा की राजधानी ओटावा के मेयर जिम वाटसन ने आपातकाल की घोषणा कर दी। इस बीच कनाडा में अमेरिका के एक पूर्व राजदूत ने कहा कि अमेरिकी समूहों को कनाडा के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करना बंद कर देना चाहिए। मेयर जिम वाटसन ने कहा कि यह घोषणा सरकार के विभिन्न स्तरों से सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करती है। इससे शहर को सेवाओं की खरीदारी एवं आपूर्ति के लिए अतिरिक्त सहयोग मिलेगा, जिससे अग्रिम मोर्चे के कर्मियों के लिए आवश्यक उपकरण खरीदने में मदद मिल सकती है। ओटावा में सप्ताहांत में फिर से हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। शहर में पिछले सप्ताहांत से लोग प्रदर्शन कर रहे है। प्रतिबंधों का विरोध कर रहे स्वतंत्रता ट्रक काफिले को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं का समर्थन मिला है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में कनाडा के राजदूत रहे ब्रूस हेमैन ने ट्वीट किया, अमेरिका में किसी भी समूह को किसी भी परिस्थिति में कनाडा में बाधा उत्पन्न करने की गतिविधियों के लिए धन मुहैया नहीं कराना चाहिए। हेमैन ने कहा कि रिपब्लिकन रूस के बजाय कनाडा के घटनाक्रम को लेकर अधिक चिंतित नजर आते हैं।

कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हमले, चोरी-तोड़फोड़ की घटनाएं, दहशत में श्रद्धालु

-पिछले 10 दिनों से करीब 6 पूजा स्थलों में तोड़फड़ की घटनाएं हुई

-उपद्रवियों ने मंदिर की दान पेटी से नकद के साथ ही मूर्तियों के जेवर चुराए

टोरंटो(ईएमएस)। कनाडा के ग्रेटर टोरंटो एरिया में मंदिरों में लगातार तोड़फोड़ और चोरी की घटनाओं से पुजारी और भक्तों में दहशत का माहौल है। पिछले 10 दिनों से करीब 6 पूजा स्थलों में तोड़फड़ की घटनाएं हुई हैं। घटनाओं में शामिल उपद्रवियों ने मंदिर की दान पेटी से नकद चुराने के अलावा मूर्तियों पर सजे जेवर भी चुरा लिए हैं। यह सिलसिला 15 जनवरी से शुरू हुआ है। इस दिन जीटीए शहर ब्रैम्पटन में हनुमान मंदिर में तोड़फोड़ की नाकामयाब कोशिश हुई। वहीं 25 जनवरी को इसी शहर में देवी दुर्गा के मंदिर को तोड़ा गया। इन दोनों घटनाओं के बाद भी उपद्रवियों ने गौरी शंकर मंदिर और जगन्नाथ मंदिर में भी उत्पात मचाया।

वहीं 30 जनवरी को मिसिसॉगा में हिन्दू हैरिटेज सेंटर में घुसकर 2 व्यक्तियों ने दान पेटी और मुख्य कार्यालय में तोड़फोड़ की। मंदिर की ओर से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि इस घटना से श्रद्धालु और पुजारी परेशान हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सिक्योरिटी कैमरा की तस्वीरों में कैद दो नकाबपोश लोग मंदिर परिसर के अंदर काफी समय बिताते हैं और दान पेटी व भगवान की मूर्ति पर सजे आभूषणों को निशाना बनाते हैं। हिन्दू हैरिटेज की विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है कि ये वही व्यक्तियों का समूह है जो मंदिरों में सुबह-सुबह घुसकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। इस घटना के बाद मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंदिर से जुड़े स्वयंसेवक ने मंदिर परिसर के लिए नाइट शिफ्ट शुरू कर दी है। वहीं चोरी और तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद पुलिस ने भी मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया है। कनाडा में रहने वाले शुभम भारद्वाज ने कहा कि मंदिरों में तोड़फोड़ की इन घटनाओं के बारे में सुनकर परेशान हूं। मुझे हैरानी हो रही है कि पिछले कुछ दिनों में कनाडा में इस तरह की वारदातें हो रही हैं। ये कानून-व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा है और मुझे उम्मीद है कि पुलिस इन मामलों का हल निकालने में कामयाब होगी।

चीन ने सीपीईसी कार्यक्रम में कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए एकपक्षीय कार्रवाई का विरोध किया

बीजिंग (ईएमएस)। पाकिस्तान के सहोदर बने चीन ने 60 अरब डॉलर के सीपीईसी निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत पाकिस्तान के साथ करीबी सहयोग का संकल्प लिया। साथ ही, कश्मीर मुद्दे का हल उपयुक्त और शांतिपूर्ण तरीके से करने की बात कही, जबकि स्थिति को जटिल बनाने वाली एकपक्षीय कार्रवाईयों का विरोध किया। दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित शीर्ष चीनी नेतृत्व के साथ वार्ता की। खान ने चीन की चार दिनों की अपनी यात्रा के अंतिम दिन शी से मुलाकात की। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) की धीमी गति और पाकिस्तान में विभिन्न परियोजनाओं में काम कर रहे चीनी कर्मियों पर होने वाले हमलों को लेकर बीजिंग की बढ़ती चिंता सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यह यात्रा की। खबर के अनुसार, खान के साथ अपनी बैठक में शी ने कहा कि चीन राष्ट्रीय आजादी, संप्रभुता, गरिमा की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान का दृढ़ता से समर्थन करता है।

उन्होंने कहा कि चीन सीपीईसी के पूर्ण विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए पाकिस्तान से हाथ मिलाने को तैयार है। एक संयुक्त बयान के अनुसार, 'पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू कश्मीर में स्थिति पर ताजा घटनाक्रमों से अवगत कराया। चीनी पक्ष ने फिर से कहा कि कश्मीर मुद्दा एक ऐसा विवाद है जो अतीत से मिला है और उसका उपयुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से समाधान होना चाहिए। चीन स्थिति को और जटिल करने वाली किसी भी एकपक्षीय कार्रवाई का विरोध करता है।

रूस-पाक की नजदीकी, भारत के लिए बन सकती है परेशानी का सबब

-पुतीन के न्योते पर पाक पीएम इमरान खान जा रहे रूस

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान और रूस के बीच नजदीकी की खबरों के बीच पीएम इमरान खान इस महीने के अंत में रूस का दौरा कर सकते हैं। इमरान खान इस समय चीन दौरे पर हैं। इससे पहले खबर आई थी कि पुतिन भी पाकिस्तान का दौरा करने की योजना बना रहे हैं। इसको लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बातचीत भी अंतिम स्टेज में होने का दावा किया गया था। हालांकि, रूस की तरफ से अभी तक पुतिन के पाकिस्तान दौरे पर कोई भी आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से इमरान खान रूस के साथ पाकिस्तान के संबंधों को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान इस महीने के अंत में रूस का दौरा कर सकते हैं। 23 साल बाद यह पहला मौका होगा जब कोई पाकिस्तानी प्रधानमंत्री रूस दौरे पर जाएगा। भारत के साथ नजदीकी संबंधों के कारण रूस आज तक पाकिस्तान से किनारा करता आया है। लेकिन, बदलते जियो-पॉलिटिक्स और भारत के अमेरिका के नजदीक जाने से रूस ने अपनी विदेश नीति को लगभग बदल दिया है। दावा किया गया है कि इमरान खान को रूस आने के लिए खुद राष्ट्रपति पुतिन ने न्योता दिया है।

इमरान खान के रूस दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर है। इस दौरान इमरान खान और व्लादिमीर पुतिन आपसी संबंधों, उत्तर-दक्षिण गैस पाइपलाइन परियोजना और कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। इमरान खान के साथ पाकिस्तान का एक भारी भरकम प्रतिनिधिमंडल भी रूस का दौरा करेगा। पिछले साल रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पाकिस्तान की यात्रा की थी। तब लावरोव ने पाकिस्तान को हथियार बेचने और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने की बात भी कही थी। अफगानिस्तान में बिगड़ते हालात और एशिया में बनते जियो-पॉलिटिकल एनवायरमेंट को देखकर रूस और पाकिस्तान करीब आ रहे हैं। सितंबर में ही रूस के उप रक्षा मंत्री जनरल अलेक्जेंद्र वी फोमिन ने पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को बढ़ाने के लिए बातचीत की थी। सितंबर से लेकर अबतक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम तीन बार बात भी कर चुके हैं। सितंबर में पाकिस्तानी सेना ने रूसी सेना के साथ द्रुजबा-2021 नाम का संयुक्त अभ्यास भी किया था।

चोरी की क्रिप्टो करेंसी से चल रहा है नॉर्थ कोरिया का मिसाइल प्रोग्राम

-वित्त पोषण के लिए लाखों डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चुराई,यूएन रिपोर्ट का दावा

-अमेरिका ने कहा- उत्तर कोरिया ने पिछले महीने में 9 मिसाइल परीक्षण किए

वॉशिंगटन(ईएमएस)। उत्तर कोरिया हथियारों के जखीरे को बढ़ा रहा है और कई मिसाइल परीक्षण कर रहा है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें बताया गया है कि नॉर्थ कोरिया का यह मिसाइल प्रोग्राम चोरी की गई क्रिप्टो करेंसी के फंड से किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उत्तर कोरिया ने साइबर हमले करके मिसाइल कार्यक्रमों को वित्त पोषित करने के लिए लाखों डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी की चोरी की है। 2020 और 2021 के मध्य में नॉर्थ कोरिया के साइबर हमलावरों ने करीब 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की डिजिटल संपत्ति चोरी कर ली। इन हमलों का मकसद प्योंगयांग न्यूक्लियर एंड बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए धन जुटाना था। इस रिपोर्ट को यूएन की सेंक्शन कमेटी को सौंपी दी गई है। नॉर्थ कोरिया द्वारा ये साइबर हमले नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और एशिया के तीन क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज पर किए गए हैं।

2019 में संयुक्त राष्ट्र ने बताया था कि उत्तर कोरिया ने साइबर हमलों का उपयोग करके हथियारों के लिए अनुमानित 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर जमा किए थे। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल ने उत्तर कोरिया पर न्यूक्लियर टेस्ट और बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षणों पर रोक लगा दी थी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि कड़े प्रतिबंधों के बावजूद, उत्तर कोरिया अपने परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल बुनियादी ढांचे का विकास जारी रखने में सक्षम रहा है और बेरोक-टोक टेस्ट करता रहा। उत्तर कोरिया ने विदेशों में भी मटेरियल और टेक्नोलॉजी की तलाश जारी रखी है, जिसमें साइबर हमले और ज्वाइंट साइंटिफिक रिसर्च शामिल है। वहीं अमेरिका ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पिछले महीने में 9 मिसाइल परीक्षण किए हैं।

अगर रुसी सेना चाहे तब, यूक्रेन पर 72 घंटे में कब्जा कर सकती

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन में सीमा पर जारी भारी तनाव के बीच अमेरिका ने चेतावनी दी हैं, कि यदि पुतिन सेना अगर चाहे,तब मात्र 72 घंटे में यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जा कर सकती है। अमेरिकी सेना के चेयरमैन ऑफ जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ जनरल मार्क मिली ने कहा कि यूक्रेन पर रूस अगर हमला करता है,तब यूक्रेन के 15 हजार सैनिकों और रूस के 4000 सैनिकों की मौत होगी है।वहीं एक अन्य खुफिया आकलन में चेतावनी दी गई है, कि हमले की चपेट में आने से 50 हजार आम लोगों की मौत होगी है। जनरल मिली ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि रूसी सेना अगर अपनी पूरी ताकत से हमला करती हैं, तब यूक्रेन पर मात्र 72 घंटे में कब्जा कर सकती है। मिली की इस डरावनी चेतावनी के बाद अमेरिका के कई सांसदों ने इसपर चिंता जाहिर कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन के मामले में तेजी से सैन्य सहायता देने के लिए आगे नहीं आई।इसमें एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइलें और रॉकेट लांचर सिस्टम शामिल है, ताकि वह खुद ही अपनी रक्षा रूस से कर सके।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने चेतावनी दी है रूस यूक्रेन पर 'किसी भी दिन' हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि संघर्ष की शुरुआत हुई,तब मानवता को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार की यह दूसरी चेतावनी है। इसके पहले अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की थी कि रूस ने महीने के मध्य तक अपनी मंशा के अनुरूप कम से कम 70 फीसदी सैन्य साजोसामान एकत्र कर लिया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक इसका मकसद रूसी राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ हमला करने का विकल्प मुहैया कराना है।

उन्होंने सीधे तौर पर उन खबरों का जिक्र नहीं किया जिसके मुताबिक वाइट हाउस ने सांसदों को जानकारी दी है कि रूस आक्रमण करके कीव पर त्वरित कब्जा कर सकता है जिसमें 50,000 लोग हताहत हो सकते हैं। सुलिवन ने कहा कि अब भी एक राजनयिक समाधान संभव है। प्रशासन ने हाल के दिनों में चेतावनी दी थी कि रूस तेजी से यूक्रेन के क्षेत्र पर आक्रमण करने का इरादा रखता है। इस बीच यूक्रेन ने अमेरिका के इस डरावने दावे को खारिज कर दिया है। यूक्रेन अमेरिकी चेतावनी को कम करके दिखाते हुए कहा कि वह 'प्रलय की चेतावनी' में विश्वास नहीं करता है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दमयत्रो कुलेबा ने अमेरिकी दावे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'हम इस प्रलय की भविष्यवाणी पर भरोसा नहीं करते हैं। अलग-अलग राजधानियों के लिए अलग-अलग परिदृश्य हैं लेकिन यूक्रेन किसी भी घटनाक्रम के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा कि हमारे पास आज मजबूत सेना है, दुनियाभर से समर्थन मिल रहा है। हमें नहीं बल्कि हमारे दुश्मन को हमसे डरने की जरूरत है।

जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर को दुनियाभर में बैंन करने की तैयारी

लंदन (ईएमएस)।ब्रिटिश दिग्गज हेल्थकेयर कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन के बेबी पाउडर की बिक्री पर पूरी दुनिया में प्रतिबंध लग सकता है। कंपनी पहले ही अमेरिका और कनाडा में इसकी बिक्री बंद 2020 में कर चुकी है। अमेरिकी रेग्युलेटर्स ने दावा किया था कि उन्हें कंपनी के बेबी पाउडर में कैंसर पैदा करने वाले तत्व मिले हैं। इस खुलासे के बाद कंपनी का आफत बढ़ गई हैं। कंपनी के खिलाफ 34,000 से अधिक मामले चल रहे हैं।इसमें कई महिलाएं हैं, जिनका दावा है कि उन्होंने कंपनी का बेबी पाउडर यूज करने के बाद में उन्हें ओवेरियन कैंसर हो गया। हालांकि जॉनसन एंड जॉनसन ने इसका खंडन किया है कि उसका बेबी पाउडर नुकसानदायक है।

फार्मूला आफ इस्लाम बनाने का मैक्रों सरकार फैसला

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस की इमैनुएल मैक्रों सरकार ने इस्लामिक चरमपंथ से निपटने के लिए एक नया निकाय 'द फार्मूला आफ इस्लाम बनाने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि वहां इसके जरिए फ्रांस में इस्लाम को फिर से आकार देगी। इस निकाय में इमाम और आम लोग शामिल होने वाले हैं, जिन्हें फ्रांस की सरकार द्वारा चुना जाएगा। सदस्यों में कम से कम एक चौथाई महिलाएं होंगी।

फ्रांस सरकार की तरफ से बताया गया है कि निकाय के सदस्य मुस्लिम समुदाय का मार्गदर्शन करने में मदद करने वाले है। फ्रांस में पिछले कुछ वर्षों में चरमपंथी हमले बढ़े हैं। देश के सैकड़ों नागरिक जिहादियों के साथ मिलकर लड़ने के लिए सीरिया जा चुके हैं।इसके बाद कुछ लोग इस बात से सहमत हैं कि इस्लाम में बढ़ती कट्टरता फ्रांस के लिए एक खतरा है।

निकाय के समर्थकों का कहना है कि ये फ्रांस और इसके 50 लाख मुसलमानों को सुरक्षित रखेगा और सुनिश्चित करेगा कि फ्रांस में मुस्लिम प्रथाएं सार्वजानिक जीवन में धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों के अनुरूप हो।

मैक्रों के कदम की आलोचना भी खूब हो रही है। आलोचकों का कहना है कि फ्रांस में 10 अप्रैल को राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं और मैक्रों का ये कदम दक्षिणपंथी मतदाताओं को आकर्षित करने की एक राजनीतिक चाल है।

आलोचकों में शामिल मुसलमान का कहना है वि अपने धर्म को अपनी फ्रांसीसी पहचान का हिस्सा मानते हैं।उनका कहना है कि सरकार की ये नई पहल संस्थागत भेदभाव में एक और कदम है जो उनके सामाजिक जीवन को सीमित करती है। लोगों का कहना है कि सरकार कुछ लोगों के हिंसक हमले के लिए पूरे समुदाय को जिम्मेदार मानती है।

ये नया फोरम फ्रांसीसी काउंसिल ऑफ मुस्लिम फेथ की जगह ले रहा है। फ्रांसीसी काउंसिल ऑफ मुस्लिम फेथ की स्थापना साल 2003 में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने किया था।परिषद ने सरकार और इस्लाम के नेताओं के बीच एक वार्ताकार के रूप में काम किया।

पहली बार पाक ने अफगानिस्तान की जमीन के इस्तेमाल के लिए आतंकवादियों की आलोचना की

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान में काबिज तालिबान की अंतरिम सरकार के प्रति पाकिस्तान ने पहली बार यहां की जमीन के आंतकवाद के लिए इस्तेमाल की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है। एक्सप्रेस ट्रिब्य

गैर सचिवालय की परीक्षा १३ तारीख को ली जाएगी

गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के चेयरमैन पद से वोरा का इस्तीफा

गैर सचिवालय और हेड क्लर्क की परीक्षा निष्पक्ष तरीके से ली जाए इसके लिए राज्य सरकार ने इस्तीफा ले लिया

गांधीनगर, ७ फरवरी।

गांधीनगर से बहुत बड़ा समाचार सामने आ रहा है कि, गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के चेयरमैन पद से असित वोरा ने इस्तीफा दे दिया है। गांधीनगर गैर सचिवालय की परीक्षा १३ तारीख को ली जाएगी इसके पहले ही असित वोरा का इस्तीफा लिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांधीनगर गैर सचिवालय और हेड क्लर्क की परीक्षा निष्पक्ष तरीके से ली जाए इसके लिए राज्य सरकार ने इस्तीफा ले लिया है। आपको बता दे कि, राज्य के युवकों और परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों द्वारा गुजरात गौण सेवा पसंदगी बोर्ड की भर्ती परीक्षा के पेपर लीककांड के बाद बोर्ड के अध्यक्ष असित वोरा के इस्तीफे की मांग उग्र हुई थी। यह मामले में सरकार ने वोरा की के साथ पेपरलीक कांड में जिम्मेदार अन्य लोगों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाने के लिए मुख्यमंत्री ने बता दिया था। पहले बारबार राज्य में सरकारी परीक्षा के पेपर लीक होने पर सरकार ने भी असित वोरा से इस्तीफा मांगा है यह भी समाचार सामने आया है। उल्लेखनीय है कि गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के अध्यक्ष असित वोरा पेपरलीक कांड मामले में विवादों में आते रहे हैं। जिसे लेकर सरकारी की परीक्षा की तैयारी करते राज्य के लाखों उम्मीदवारों ने ट्वीटर सहित के सोशल मीडिया प्लेटफोर्म्स पर भी असित वोरा के इस्तीफे की मांग की थी। असित वोरा के इस्तीफे की खबर सामने आने पर सरकारी परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। असित वोरा के इस्तीफे से सरकारी भर्ती की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों ने राहत अनुभव की है। गुजरात गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के असित वोरा की साथी आई.के. जाडेजा और बलवंत सिंह का भी बोर्ड निगम से इस्तीफा लिया गया है। पहले गुजरात गौण सेवा पसंदगी बोर्ड की १२ दिसंबर २०२१ को आयोजित हुई हेड क्लर्क की भर्ती के लिए परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद सरकार में भगदड़ मच गई थी।

1971 में अहमदाबाद के मेयर ने स्वर साम्राज्ञी लता मंगेश्कर को सम्मानित किया था

अहमदाबाद (ईएमएस) भारत रत्न लता मंगेशकर का बीते दिन 92 साल की उम्र मे निधन हो गया। स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को अपने जीवन में अनेक उपलब्धियां और सम्मान मिला। उनके हर एक क्षेत्र में प्रशंसक रहे हैं। लताजी 1971 में अहमदाबाद की मेहमान बनी थी। लता जी 1971 में अहमदाबाद आयी थीं, तब महानगर पालिका महापौर नरोत्तम जवेरी ने उनको सम्मानित किया था। लताजी को सम्मानित किया गया था तब उनके छोटे भाई ह्रदयनाथ मंगेशकर भी अहमदाबाद आये थे। उन्होंने यहा अपनी आवाज से सबका मनोरंजन भी किया था। बता दें कि भारत रत्न लता मंगेशकर कोरोना पॉजिटिव व निमोनिया होने के बाद कई दिनों से अस्पताल में भर्ती थी। बीते दिन उनका निधन हो गया। लताजी के निधन से समूचा देश में शोक में हैं महाराष्ट्र में तीन दिन का और देश में दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया हैं

अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों से जुड़े मामले में मंगलवार को आएगा फैसला

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद में विशेष अदालत 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों से जुड़े मामले में मंगलवार को अपना फैसला सुना सकती है। ज्ञात रहे कि

अहमदाबाद शहर में 26 जुलाई 2008 को 70 मिनट की अवधि में हुए 21 बम धमाकों में कम से कम 56 लोगों की मौत हो गयी थी और 200 से अधिक घायल हो गए थे। पुलिस ने दावा किया था कि आतंकवादी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोग इन धमाकों में शामिल थे। इन धमाकों में शामिल करीब 80 आरोपियों पर मुकदमा चलाया गया। एक वरिष्ठ लोक अभियोजक ने सोमवार को यह जानकारी दी। अदालत ने 13 साल से भी अधिक पुराने मामले में पिछले साल सितंबर में सुनवाई पूरी की थी। वरिष्ठ लोक अभियोजक सुधीर ब्रह्मभट्ट ने कहा कि मंगलवार को फैसला सुनाया जा सकता है, क्योंकि निचली अदालत के विशेष न्यायाधीश ए आर पटेल ने कोविड-19 से उबरने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है।

निचली अदालत ने फैसला सुनाने के लिए एक फरवरी की तारीख तय की थी लेकिन न्यायाधीश के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण फैसला आठ फरवरी तक टाल दिया गया था।

3 अधेड़ों के दुष्कर्म से गर्भवती हुई युवती ने बच्चे को जन्म दिया, सभी आरोपी गिरफ्तार

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस) चोटीला के एक गांव में तीन अधेड़ आयु के शख्सों द्वारा दुष्कर्म की शिकार मानसिक रूप से विकलांग युवती ने चोटीला के अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब बच्चे को राजकोट के अस्पताल ले जाया गया और वहां उसके पिता का नाम पूछने पर पीड़िता की नानी ने बताया कि युवती कुंवारी है और तीन शख्सों ने उसके साथ अनेकों बार दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई इस मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की हैं घटना है सुरेन्द्रनगर जिले की चोटीला तहसील के एक गांव की जहां तीन हवसखोर तीन अधेड़ शख्सों ने मानसिक रूप से विकलांग युवती के साथ सरकारी स्कूल में एक नहीं कई बार दुष्कर्म किया जिससे युवती गर्भवती हो गई और चोटीला के अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया दो दिन पहले नवजात शिशु को उपचार के लिए राजकोट के केटी चिल्ड्रन अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बच्चे के पीछे उसकी माता नाम लिखाया गया अस्पताल ने जब पिता के बारे में पूछा तो युवती की माता ने बताया कि उसके बेटी मानसिक रूप से विकलांब है और गांव के तीन अधेड़ आयु शख्सों ने उसके साथ कई दफा दुष्कर्म किया था, जिसकी वजह से वह गर्भवती हो गई जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दे दी सूचना पाते ही हरकत में आई राजकोट पुलिस चोटीला के गांव पहुंच गई और काना, माधा और आंबा नामक तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी

गुजरात में कक्षा 1 से 9 की ऑफलाइन पढ़ाई शुरू, ऑनलाइन शिक्षा भी जारी रहेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण घटने पर सोमवार से कक्षा 1 से 9 की ऑफलाइन शिक्षा शुरू हो गई हैं राज्य में कोरोन रॉकेट गति से बढ़ने पर 8 जनवरी से कक्षा 1 से 9 के ऑफलाइन क्लास बंद कर दिए गए थे शनिवार को शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने 7 फरवरी से राज्य में कक्षा 1 से 9 की ऑफलाइन शुरू किए जाने का ऐलान किया थी जिसके बाद रविवार को स्कूल संचालक, आचार्यों ने प्रत्यक्ष शिक्षा से संबंधित विचार-विमर्श के बाद विद्यार्थियों को स्कूल भेजने के बारे में अभिभावकों को वॉट्सएप मैसेज कर दिया थी स्कूल संचालकों ने पहले के शिडयुल के मुताबिक बच्चों को पूरे ऐहतियात के साथ स्कूल भेजने का अभिभावकों को मैसेज भेजा थी जबकि स्कूलों में सैनिटाइजिंग इत्यादि व्यवस्था को लेकर शिक्षकों के साथ ऑनलाइन चर्चा की थी जिसमें बच्चों को तीन से चार घंटे की पढ़ाई समेत अन्य कई मुद्दों पर विचार मंथन किया गया स्कूल संचालकों का मानना है कि अनुदानित और निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति हो सकती हैं

भाजपा ने भ्रष्टाचार के लिए आईएएस और आईपीएस को काम पर लगाया : कांग्रेस

राजकोट (ईएमएस) राजकोट के पुलिस आयुक्त मनोज अग्रवाल पर रुपयों की वसूली के आरोपों के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई हैं कांग्रेस नेता इंद्रनील राज्यगुरु ने आज आरोप लगाया कि भाजपा नेता ने आईएएस और आईपीएस को भ्रष्टाचार के लिए काम पर लगा दिया हैं मनोज अग्रवाल के खिलाफ भाजपा विधायक द्वारा शिकायत किए जाने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर सवाल उठाते हुए राज्यगुरु ने कहा कि भाजपा की नीति लोकतंत्र के खिलाफ हैं सरकार ही भ्रष्टाचारियों को आश्रय दे रही हैं इंद्रनील ने कहा कि भाजपा नेता अब आरोप लगा रहे हैं, अब तक इस मामले में खामोश क्यों थे? उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी भाजपा सरकार राज्य में कहीं भ्रष्टाचार कम करने या डराने में विजय रुपाणी कमजोर पड़ रहे थे, इसलिए उनकी पिछली सीट पर सीआर पाटील को बिठाकर गुजरात पर दमन की राजनीति की जा रही हैं राज्य की पुलिस, आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के जरिए भाजपा सरकार भ्रष्टाचार करवाने जा रही है और आनेवाले दिनों में हालत और खराब होगी कांग्रेस नेता न अरविंद रैयाणी और गोविंद पटेल को घडियाली आंसू बहाना बंद करने की नसीहत देते हुए विजय रूपाणी और नितिन भारद्वाज पर कड़े प्रहार किए उन्होंने आरोप लगाते थे कि पुलिस आयुक्त मनोज अग्रवाल भाजपा नेता नितिन भारद्वाज दोनों मिलकर काम करते थे भाजपा सरकार किसी आईएएस और आईपीएस को सस्पैंड नहीं करेगी, क्योंकि उन्हें ही अपना एजंट बनाकर भ्रष्टाचार कर रही हैं उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के लोगों को समझने की जरूरत है कि आपकी सोसायटी तक भ्रष्टाचार पहुंच गया हैं

गुजरात में आज कोरोना के 2909 नए मरीज, 8862 हुए ठीक, 21 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना का संक्रमण लगातार घटने लगा हैं आज राज्यभर में कोरोना के 2909 नए मामले सामने आए हैं और 8862 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया इस दौरान राज्य में 21 मरीजों की मौत हो गई दूसरी ओर राज्य में आज 2.70 लाख लोगों का वैक्सीनेशन किया गया स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 928, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 462, वडोदरा में 141, मेहसाणा में 140, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 131, बनासकांठा में 128, राजकोट कॉर्पोरेशन में 108, सूरत कॉर्पोरेशन में 90, कच्छ में 81, राजकोट में 77, खेडा में 63, सूरत में 63, आणंद में 44, पंचमहल में 43, मोरबी में 38, जामनगर कॉर्पोरेशन में 33, नवसारी में 32, अहमदाबाद में 31, गांधीनगर में 30, भावनगर कॉर्पोरेशन में 27, भरुच में 26, पाटन में 25, छोटाउदेपुर में 19, वलसाड में 17, नर्मदा में 15, तापी में 12, अमरेली में 11, अरवल्ली में 11, दाहोद में 10, गिर सोमनाथ में 10, साबरकांठा में 10, जामनगर में 9, महीसागर में 9, देवभूमि द्वारका में 8, सुरेन्द्रनगर में 8, जूनागढ़ में 5, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 5, पोरबंदर में 5, भावनगर में 3 और बोटाद में 1 समेत राज्य में कोरोना के कुल 2909 नए केस दर्ज हुए इस दौरान 21 मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10688 पर पहुंच गया वहीं 8862 लोगों को डिस्चार्ड करने के साथ राज्य में अब तक कोरोना से ठीक होनेवालों की संख्या 1153818 हो गई हैं फिलहाल राज्य में कोरोना के 38644 एक्टिव मामलों में 38429 स्टेबल हैं और 215 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं दूसरी ओर राज्यभर में आज 270890 नागरिकों को कोरोना का टीका लगाया गया जिसमें 14 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 367 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 4077 को पहला और 8478 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 19396 को कोविड की पहली और 57938 लोगों को दूसरी वैक्सीन दी गई 15 से 18 वर्षीय 16810 को पहला और 131063 को कोरोना की दूसरी वैक्सीन लगाई गई जबकि 32747 को प्रिकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक कुल 9 करोड़ 98 लाख 80 हजार 825 को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं संभावना है कि मंगलवार को गुजरात में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 10 करोड़ को पार कर जाएगा

किशन भरवाड हत्या केस में नया खुलासा

शब्बीर ने एयुब और उस्मानी के साथ फोन पर बातें की थी

अहमदाबाद, ७ फरवरी।

धंधुका में बने किशन भरवाड हत्या केस में जांच के दौरान करीब रोजाना नये नये चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

यह केस में हत्यारा शब्बर जो मौलाना एयुब और मौलाना उस्मानी को पहचानने से इनकार करता था, लेकिन उनके साथ लगातार फोन से संपर्क में रहे होने का सामने आया है। इसके अलावा मौलाना उस्मानी के इशार हिंदुत्व का प्रचार करते लोगों की जानकारी भी इकट्ठा की गई यह जानकारी सामने आई है। जिसमें बीएस पटेल, पंकज आर्य, पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठी सहित के लोग शामिल है। यह केस में शामिल हो रही कडियों के आधार पर गुजरात पुलिस की एटीएस टीम द्वारा आगे की जांच की जा रही है और इसके साथ कई बड़े और महत्व के खुलासे भी हो रहे है। रिपोर्ट के अनुसार किशन भरवाड हत्या केस में नया खुलासा हुआ है कि हत्यारा शब्बीर जो उस्मानी को पहचानने से मना कर रहा था इसकी इसके साथ फोन पर १० बार बात की होने की जानकारी सामने आई है।

किशन की हत्या पहले मौलाना एयुब अहमदाबाद से धंधुका गये होने का सामने आया है, जिसमें घटनाक्रम के लिए रेकी की गई होने का रिपोर्ट्स में कहा गया है। इसके अलावा पोरबंदर के साजन ओडेदरा को मौत के घाट उतारने के लिए रेकी करने के लिए शब्बीर और एयुब दो बार पोरबंदर गये थे। रेकी करने के बाद वह मुंबई में उस्मानी को भी मिला था। अब यह केस की जांच के साथ-साथ कोई अन्य व्यक्ति को टार्गेट किया गया था कि नहीं इस दिशा में भी जांच की जाएगी। धंधुका में धार्मिक भावना आहत हो ऐसी पोस्ट की वजह से नाराज हुए शब्बीर और इम्तियाज ने खुलेआम ही किशन भरवाड को गोली मारी थी। यह केस की वजह से तनावपूर्ण जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। जिसके बाद तुरंत ही जांच का दौर शुरू करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी पूछताछ और टेलीफोन रिकॉर्ड के आधार पर कई महत्व की जानकारियां सामने आई है।

राजकोट और गोंडल रोड पर सीएनजी कार आग का गोला बन गई

अहमदाबाद, ७ फरवरी।

शहर के मोरबी हाइवे पर बेडी पुल पर से कार जा रही थी तब अचानक आग लग गई थी। जिसमें अचानक आग लगने की घटना से अफरातफरी मच गई थी। इस समय में फायर ब्रिगेड को जानकारी देने पर फायर ब्रिगेड ने आग को काबू में लेने का प्रयास किया था। पानी का छिड़काव करके आग को काबू में लिया गया। हालांकि कारचालक समय पर कार से नीचे उतर जाने पर कोई जनहानि नहीं हुई थी। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार राजकोट-मोरबी हाइवे पर राजकोट से मोरबी तरफ जाती सफेद कलर की कार बेडी चौक निकट पुल पर जा रही थी। इस दौरान कार में अचानक आग लग गई थी। हालांकि कारचालक ने समय सूझबुझ इस्तेमाल करके नीचे उतर गया था। तुरंत फायर विभाग को जानकारी देने पर फायर ब्रिगेड स्थल पर पहुंच गई थी और आग को काबू में लिया। यहां उल्लेखनीय है कि, ड्राइवर की सूझबुझ की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई थी। प्राथमिक जांच में कार सीएनजी होने की वजह से शॉर्टसर्किट से आग लगने का सामने आया है। प्राथमिक रूप से इंजन के हिस्से में आग लगी थी और इसके बाद पूरे कार में आग लगी होने की जानकारी सामने आई है।

सावरकुंडला में दो महिलाओं पर एसिड अटैक, पीड़ितों में एक गर्भवती

अमरेली (ईएमएस) सावरकुंडला में अज्ञात बाइक सवार द्वारा दो महिलाओं पर एसिड अटैक की घटना सामने आई हैं पीड़ित महिलाओं में एक गर्भवती हैं फिलहाल पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर अज्ञात बाइक सवारों की तलाश शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले के सावरकुंडला में दो महिलाएं सड़क पर जा रही थीं, उस वक्त मोटर साइकिल पर अज्ञात शख्सों ने दोनों पर एसिड फैंका और फरार हो गए सरेआम महिलाओं पर एसिड अटैक से सनसनी फैल गई घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और तुरंत एम्ब्युलैंस 108 को बुलाया और दोनों महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया सूचना पाते ही स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आसपास के सीसीटीवी फूटेज खंगालने के साथ ही लोगों से पूछताछ शुरू की हैं गुजरात में एसिड की खरीदी पर प्रतिबंध होने के बावजूद अज्ञात सख्सों को एसिड कैसे मिला और महिलाओं पर एसिड अटैक को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं जिन दो महिलाओं पर एसिड अटैक हुआ है, उसमें एक महिला गर्भवती हैं फिलहाल दोनों महिलाओं का अस्पताल में इलाज चल रहा हैं

सहकर्मी और अधिकारियों से परेशान हो गये थे

घाटलोडिया के शिक्षिका की आत्महत्या करने का प्रयास

शिक्षिका सिंगल मधर होने से इसके नाम पर उल्टी-सीधी बातें की जाती थी, अधिकारी उनकी इज्जत नहीं करते थे

अहमदाबाद, ७ फरवरी।

अब और एक सरकारी कर्मचारी अपने स्टाफ से परेशान होकर गलत कदम उठाये होने की घटना गुजरात में हुई है। इस बार अहमदाबाद की शिक्षिका जो कि मेहसाणा के मेडा आदरज में प्राथमिक शिक्षिका के तौर पर ड्यूटी करती है।

लेकिन वह अपने सहकर्मी और शिक्षाधिकारी तक की गलत शिकायतों से परेशान होकर अंतिम कदम उठाने की कोशिश की यह जानकारी सामने आई है। इसके अलावा शिक्षिका के खिलाफ गांव से शिकायत की जाती थी और इसकी वजह से उसे जबाव देने के लिए कडी या मेहसाणा में अधिकारियों के पास जाती तब उनके साथ खराब व्यवहार होता था, उनकी इज्जत नहीं करके निकाल दिया जाता था। यह सभी से परेशान होकर उसने अंतिम कदम उठाने का प्रयास किया था। वह सिंगल मधर होने से भी उनके बारे में गलत बातें की जाती थी और ऐसा करके उनको गलत तरीके से परेशान किया जाता था। शिक्षिका ने अपना स्टाफ, अधिकारी और ग्रामीणों द्वारा दी जाती परेशानी मामले में पुलिस को बताया है। पुलिस ने उनका निवेदन लेकर इस केस में ज्यादा जांच शुरू की है। मिली जानकारी के अनुसार जयश्रीबहन पटेल नाम की शिक्षिका अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र की निवासी है और वह मेहसाणा के मेडा आदरज गांव में स्थित स्कूल में प्राथमिक स्कूल में ड्यूटी करती शिक्षिका ने अंतिम कदम उठाकर कई लोगों के नाम लिखे थे। शिक्षिका जयश्रीबहन सिंगल मधर के तौर पर अपने १४ वर्ष के बेटे के साथ रहती थी, लेकिन वह सिंगल मधर होने से उन पर अन्य शिक्षिका और शिक्षकों द्वारा चरित्र की आशंका की जाती और उनके मामले में कई बातें बनाई जाती थी। उनके आचार्य के साथ संबंध होने की बातें भी की जाती थी। गांव के लोग भी उनके मामले में जिला शिक्षाधिकारी और कडी के अधिकारी को शिकायत करते थे। उन्होंने टीपीईओ कडी, पुष्पाबहन भील, सुनिता दशरथ पटेल, योगेश वासुदेव पटेल, परेशा कनैयालाल मोदी, शैलेष मगनलाल पटेल, सुमित्रा मणिलाल प्रजापति, हेमाक्षी रमेशचंद्र सुथार, रिनाबहन सोमाभाई पटेल, नीलमबहन अमृतभाई पटेल, सेजलबहन प्रह्लादभाई सथवारा, रमणभाई हेतलबहन पटेल द्वारा अत्याचार किए जाते होने का उल्लेख किया है।

आज से अहमदाबाद के कैम्प में बिराजमान हनुमानजी के श्रद्धालु प्रत्यक्ष दर्शन कर सकेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर समेत राज्यभर में कोरोना संक्रमण घटने से विख्यात बड़े मंदिरों के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुलने लगे हैं इसी कड़ी में मंगलवार से अहमदाबाद के कैम्प हनुमान जी का मंदिर का द्वार भी दर्शनार्थियों के लिए खुल जाएगा कोरोना संक्रमण घटने के बाद ट्रस्टी मंडल की बैठक में यह फैसला किया गया हांलाकि मंदिर में कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए ही लोग हनुमान जी के दर्शन कर पाएंगे बता दें कि गुजरात समेत देशभर में कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद कई राज्यों में पाबंदियां लगाई गई थी गुजरात में रात्रि कर्फ्यू के समय बढ़ाने के साथ ही कई प्रतिबंध लगाए गए थे कोरोना के पैर पसारने पर गुजरात के कई बड़े मंदिरों को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया था अहमदाबाद के शाहीबाग क्षेत्र स्थित कैम्प हनुमान मंदिर भी 31 जनवरी 2022 तक बंद रखने का फैसला किया गया था लेकिन 31 जनवरी के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं होने पर 7 फरवरी तक प्रतिबंध बढ़ा दिया गया था अब राज्य में कोरोना की स्थिति में लगातार सुधर रही, जिसे देखते हुए 8 फरवरी यानी मंगलवार से श्रद्धालु कैम्प हनुमान मंदिर में प्रत्यक्ष कर सकेंगे मंदिर में आनेवाले प्रत्येक श्रद्धालु को कोविड गाइडलाइन का पालन करना जरूरी हैं

विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ता और पुलिस के बीच घर्षण, कई हिरासत में लिए गए

राजकोट (ईएमएस) राजकोट पुलिस आयुक्त पर रुपए वसूली के आरोप लगने के बाद राज्य की सियासत गरमा गई हैं यह आरोप भाजपा विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री गोविंद पटेल ने लगाए हैं इस घटना को लेकर राजकोट कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज शहर के जिला पंचायत चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता और पुलिस के बीच जबर्दस्त घर्षण हुआ हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया कांग्रेस ने धरना के लिए पुलिस से मंजूरी मांगी थी लेकिन पुलिस के मंजूरी देने से इंकार करने पर कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने जिला पंचायत चौक पहुंच गए जहां कार्यकर्ताओं को रोकने पर वह पुलिस से भिड़ गए हालात बिगड़ते देख पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि राजकोट पुलिस आयुक्त ने एक नागरिक से रु. 75 लाख की वसूली की है और एक पुलिस आयुक्त के खिलाफ पिछले दो साल से विधायक आरोप लगा रहे हैं राज्यसभा के सांसद भी पुलिस आयुक्त पर आरोप लगा रहे हैं ऐसे में भ्रष्टाचार का विरोध किया जाना चाहिए बता दें कि राजकोट पुलिस आयुक्त मनोज अग्रवाल पर 75 लाख की वसूली का आरोप भाजपा के विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री गोविंद पटेल ने लगाया हैं विधायक ही नहीं राज्यसभा सांसद राम मोकरिया ने गोविंद पटेल के आरोपों का समर्थन किया हैं

पिता ने ४ महीने की बेटी की अपहरण-हत्या की साजिश रची

राजकोट, ७ फरवरी।

बेटा-बेटी एक समान, बेटी लक्ष्मी का स्वरूप होती है। बेटी बचाओ, ऐसे कई सूत्र हम सुनते हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भी हमारे समाज में बड़ी संख्या में ऐसे लोग है जो बेटी को अभिशाप मानते है। फिलहाल में ही ऐसी ही एक घटना सामने आई है जो सुनकर किसी को विचार आये कि एक पिता अपनी बेटी मामले में इस प्रकार से किस तरीके से विचार कर सकता है एक पिता पर आरोप लगा है कि उसने अपनी चार महीने की बेटी की कथित अपहरण और हत्या की योजना बनाई थी, लेकिन कच्छ पुलिस की सतर्कता की वजह से बच्ची को सुरक्षित बचा लिया गया। गांधीधाम के पास स्थित गरपादर गांव में रहते ट्रक ड्राइवर राजकरण पटेल के घर पर दो लोग घुस गये। यह दोनों लोगों ने चहेरा ढांका था। राजकरण पटेल की पत्नी शांतिदेवी ने दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, दो लोग उनके घर में अचानक घुस गये और उनके आठ वर्ष के बेटा सचिन को बांध दिया तथा छोटी बेटी को उठाकर ले गये। राजकरण मुंद्रा-मांडवी रूट पर सामान ट्रांसपोर्ट करने का काम करते है। शुक्रवार को वह घर पर आया और पत्नी को कहा कि उसने ट्रक घर से दूर पार्क की है इसके साथ ट्रक तक आये और ट्रक में से डीजल कारबोप्स लाने में मदद करे। शांतिदेवी को पति की बात सहज भी संदिग्ध नहीं लगी और इसके साथ चली गई। शांतिदेवी को था कि वह जल्दी घर पर वापस आ जाएगा। इसलिए उसने घर भी खुला रखा। जबकि वह वापस आये तब देखा कि सचिन के हाथ बंधे हुए थे। सचिन ने अपने मां-पिता को बताया है कि दो लोग आकर छोटी बहन को उठाकर ले गये है। राजकरण ने नाटक किया और पत्नी को साथ में लेकर बेटी को ढूंढने के लिए निकल पड़ा। यह केस के साथ जुड़े हुए सीनियर पुलिस अधिकारी बताते है कि, राजकरण ने कबूला है कि यूपी के प्रयागराज में इसका अन्य एक परिवार रहता है।

भाग्य लक्ष्मी की मायरा मिश्रा कहती हैं, "पोल डांस सीखना मेरी विशलिस्ट में था और आखिर मेरी यह ख्वाहिश पूरी हो गई"

ज़ी टीवी का शो 'भाग्य लक्ष्मी' अपनी दिलचस्प कहानी से दर्षकों का खूब मनोरंजन कर रहा है, जो जिंदगी, प्यार, कर्म और भाग्य के इर्द-गिर्द घूमती है। मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित ज़ी टीवी का 'भाग्य लक्ष्मी', लक्ष्मी नाम की एक निस्वार्थ लड़की की कहानी है, जिसके पास सीमित साधन हैं, लेकिन अपनी जिंदगी के संघर्षों के बावजूद, वो हमेशा अपनी जरूरतों से पहले दूसरों की जरूरतों का ख्याल रखती है। इस शो ने पहले ही अपनी दिलचस्प कहानी और अपने-से लगने वाले किरदारों के साथ दर्शकों को प्रभावित कर लिया है। इस षो में एक जबर्दस्त ट्विस्ट आया है, जहां लक्ष्मी को मलिश्का और ऋशि के अफेयर के बारे में पता चल जाता है और वो ओबेरॉय हाउस छोड़कर अपनी चाची के घर रहने चली जाती है। इस बीच, लक्ष्मी को एक नौकरी मिल जाती है और वो जिंदगी में आत्मनिर्भर बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। दूसरी ओर, जब भी मलिश्का (मायरा मिश्रा) और लक्ष्मी का आमना-सामना होता है, तो मायरा लक्ष्मी को नीचा दिखाने की कोषिष करती है। मायरा अपनी शूटिंग और ऑन-स्क्रीन ड्रामा में व्यस्त हैं, और ऐसे में उन्हें अपनी हॉबीज़ के लिए वक्त निकालना मुश्किल होता है। लेकिन लंबे समय बाद मायरा ने अपनी बकेट लिस्ट में से एक ख्वाहिश पूरी कर ली है। जी हां, उन्होंने पोल डांसिंग सीख ली है। मायरा हमेशा पोल डांसिंग सीखने के प्रति आकर्षित रहती थीं और अब वो अपनी यह ख्वाहिश पूरी कर पाई हैं।

इमेजिन मार्केटिंग लिमिटेड ने सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

इमेजिन मार्केटिंग लिमिटेड (ठकंपनीठ), जो एक डिजिटल-फर्स्ट उपभोक्ता उत्पाद कंपनी और सबसे बड़े भारतीय डिजिटल-फर्स्ट ब्रांडों में से एक है, ने अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (ठडीआरएचपीठ) बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के साथ (ठसेबीठ) दाखिल किया है।

2013 में स्थापित और 2014 में लॉन्च किए गए अपने प्रमुख ब्रांड ठबीओएटीठ के नेतृत्व में, कंपनी ने 30 सितंबर, 2021 तक ऑडियो और स्मार्टवॉच जैसी कई, उच्च-विकास उपभोक्ता श्रेणियों में भारत में वॉल्यूम और मूल्य के मामले में अग्रणी बाजार स्थिति स्थापित की है। कंपनी के पास अपने ब्रांडों के तहत सुलभ मूल्य बिंदुओं पर व्यापक, उच्च-गुणवत्ता और आकांक्षात्मक जीवन शैली-केंद्रित उपभोक्ता उत्पादों की आकर्षक पेशकश है।

इमेजिन मार्केटिंग का इरादा आईपीओ के माध्यम से कुल 20,000 मिलियन रु. जुटाना है। आईपीओ में कुल 9,000 मिलियन रु. के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (ठ फ्रेश इश्यूठ) और ऑफर फॉर सेल में कुल 11,000 मिलियन रु. तक का ऑफर फॉर सेल (ठबिक्री के लिए प्रस्तावठ) शामिल है।

एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड, क्रेडिट सुइस सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं।

7 फरवरी की ओखा-जयपुर एक्सप्रेस को रिशैडयूल किया गया

राजकोट स्टेशन पर करीब 3 घंटा 10 मिनट लेट आएगी

7 फरवरी, 2022 को ओखा से चलने वाली गाड़ी संख्या 19573 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस को रिशैडयूल किया गया है। यह ट्रेन ओखा से 7 फरवरी, 2022 को अपने निर्धारित समय 21.00 बजे की जगह 3 घंटा 30 मिनट लेट से यानि 8 फरवरी, 2022 को 00.30 रवाना होगी। ओखा-जयपुर एक्सप्रेस का पैरींग रैक 7 घंटे से अधिक लेट होने की वजह से इसे रिशैडयूल किया गया है।

यह ट्रेन राजकोट स्टेशन पर अपने निर्धारित समय 8 फरवरी, 2022 को 01.03 बजे की जगह करीब 03 घंटा 10 मिनट लेट यानि कि 8 फरवरी, 2022 को प्रातः 04.13 बजे पहुंचेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए .ाहलिब.र्हीं र्हीं रतु दन.रह पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95